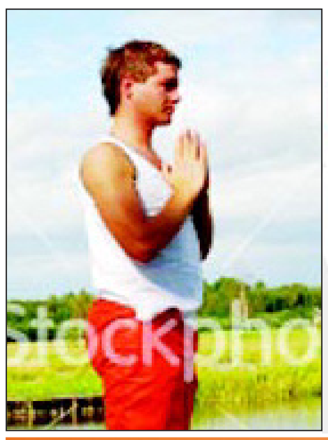

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सूर्य नमस्कार रखे आपको हरदम फिट पेज: 7

यश की टॉक्सिक फिल्म देखने को बेकरार ऋषभ शेट्टी पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 129 | गुरुवार 13 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

दिल्ली के सीएम रेखा गुप्ता ने विधानसभा में हर घर तिरंगा यात्रा में लिया हिस्सा

नयी दिल्ली, 11 अगस दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और सत्तारूढ़ दल के विधायकों के साथ मंगलवार को यहां तिरंगा यात्रा में हिस्सा लिया। विधानसभा परिसर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित यह यात्रा महात्मा गांधी की प्रतिमा से शुरू हुई और बी आर आंबेडकर की प्रतिमा पर संपन्न हुई। तिरंगा यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष के अलावा दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद, प्रवेश साहिब सिंह, मनिंदर सिंह सिरसा, पंकज सिंह, रवीन्द्र इन्द्राज सिंह और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्य सचेतक अभय वर्मा और बड़ी संख्या में विधायक शामिल थे, जिन्होंने हाथों में तिरंगा लिया हुआ था और वे भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तिरंगा यात्रा में शामिल होने के बाद एक्स पर पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय ध्वज का केसरिया रंग हमारे शौर्य और त्याग का तेज है

संसद डायरी: एफसीआरए बिल जेपीसी को भेजा गया, विपक्ष के हंगामे के बीच कई बिल पारित

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्ष के भारी हंगामे के बीच, लोकसभा ने बुधवार को 'विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित कर दिया। इसके तुरंत बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच, राज्यसभा ने 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित किया और 'केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' पर विचार और उसे पारित करने की प्रक्रिया शुरू की। विपक्ष ने लगातार विरोध-प्रदर्शन जारी रखा, जबकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और सरकार नीट से जुड़े छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर लोकसभा में तुरंत चर्चा शुरू करने

के लिए तैयार है, बशर्ते विपक्षी सांसद मयार्दा बनाए रखें और सहयोग करें। आज क्या कुछ हुआ भारतीय जनता पार्टी की सांसद सुष्मिता देव ने बुधवार को कहा कि उन्होंने किसी राज्य की वेशभूषा पर कोई टिप्पणी नहीं की और राज्यसभा से ऐसा कोई संदेश नहीं जाना चाहिए जिससे भारत को सांस्कृतिक या धार्मिक आधार पर बांटने की भावना पैदा हो। यह स्पष्टीकरण उन्होंने माकपा सांसद जॉन ब्रिटास के उस आरोप के सिलसिले में दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि सोमवार को सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा सदस्य ने उन्हें बार-बार लुंगीवाला कहा था। लोकसभा ने बुधवार को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन)

'गामे के बावजूद, सदन ने महत्वपूर्ण खान एवं खनिज.....

विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया, जहाँ नीट मुद्दे पर सरकार से चर्चा की मांग प्रमुख थी। हंगामे के बावजूद, सदन ने महत्वपूर्ण खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक

संशोधन विधेयक, 2026 विपक्ष के हंगामे के बीच पारित कर दिया, जिसके तहत राज्यों को खनिज अधिकारों पर अतिरिक्त कर लगाने से रोका जाएगा। खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के जरिए केंद्र सरकार ने खनिज वाले क्षेत्रों में खनिज संपदा की मात्रा से संबंधित निर्धारित मानकों के अनुसार खनिज-युक्त भूमि के विनियमन को भी अपने नियंत्रण में लेने का प्रावधान किया है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच विधेयक को सदन में चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया। जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय झा ने बिहार में कृषि उपज बाजार समिति (एपीएमसी) व्यवस्था खत्म करने के लिए राज्यसभा सदस्य और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि इस कदम से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और किसानों को उनकी उपज का भुगतान सीधे बैंक खातों में मिलने लगा। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 पर राज्यसभा में चर्चा के दौरान झा ने नीतीश कुमार के दो दशक से अधिक समय बाद संसद में लौटने का भी उल्लेख किया। लोकसभा ने बुधवार को विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन (एफसीआरए) विधेयक, 2026 को विस्तृत समीक्षा और संभावित सुझावों के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और द्रमुक ने विधेयक को अल्पसंख्यकों के खिलाफ करार देते हुए इसे वापस लेने की मांग की।

संसद में विपक्ष का हंगामा 'चर्चा से भागने' की साजिश, नितिन नवीन बोले- जनता जानती है कौन दोषी

नई दिल्ली एजेंसी: बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने विपक्ष पर जान-बूझकर संसद में बाधा डालने और अहम मुद्दों पर बहस रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जनता देख रही है कि बुधवार को कौन चर्चा से भाग रहा है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, नबिन ने लगातार हो रहे व्यवधानों को विपक्ष की अराजक मानसिकता का नतीजा बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से अहम मुद्दों को उठाने की बार-बार कोशिशों के बावजूद, विपक्षी दलों ने कार्यवाही में बाधा डालना ही बेहतर समझा। नबिन ने कहा कि संसद में विपक्ष की लगातार बाधा उनकी अराजक मानसिकता को उजागर करती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार सभी अहम मुद्दों पर

चर्चा करने को तैयार थी, लेकिन विपक्ष संसद को काम नहीं करने दे रहा था। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और अब जानती है कि असल में कौन चर्चा से भाग रहा है। नबिन की ये टिप्पणियां संसद में चल रहे राजनीतिक टकराव के बीच आईं, जिसमें सरकार और विपक्ष दोनों ही सत्रों के दौरान कामकाज में बाधा डालने और व्यवहार को लेकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सरकार विपक्ष के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में शाह ने कहा कि सरकार हर तरह की संसदीय बहस के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे बातचीत में शामिल होने के बजाय विरोध-प्रदर्शन का इस्तेमाल करके अव्यवस्था फैला रहे हैं। शाह ने विपक्ष से लोकसभा स्पीकर को चर्चा के लिए पत्र सौंपने को कहा और बताया कि सरकार बुधवार दोपहर 3 बजे से गुरुवार दोपहर 3 बजे तक इस मामले पर चर्चा करने के लिए तैयार है। यह घटनाक्रम संसद में बार-बार हुए हंगामे के बाद हुआ है, जिसके कारण अक्सर सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी और विधायी कामकाज कम हो गया।

सरकार ने विपक्षी दलों से संसदीय प्रक्रियाओं के जरिए अपनी चिंताएँ उठाने का आग्रह किया है, जबकि विपक्ष के सदस्यों ने हंगामे और विरोध-प्रदर्शनों का बचाव करते हुए कहा है कि जिन मुद्दों को वे महत्वपूर्ण मानते हैं, उन पर चर्चा के लिए ये जरूरी हैं।

छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर हर सवाल का संसद में दूंगा जवाब..., लोकसभा स्पीकर को अमित शाह का पत्र

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को एक पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि आप जानते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 'बिजनेस एडवाइजरी कमिटी' की बैठक में सरकार की ओर से नीट परीक्षा को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर संसद में चर्चा कराने पर सहमति जताई है। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि विपक्ष की मांग से पहले ही, संसद के मौजूदा सत्र के दौरान 'पब्लिक एग्जामिनेशन्स (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026' पर चर्चा हुई थी; फिर भी, उस समय सदन में विपक्ष के किसी भी सदस्य ने नीट परीक्षा के बारे में कोई राय नहीं रखी थी। इसके बावजूद, सरकार इस मुद्दे पर फिर से चर्चा करने के लिए तैयार

है। शाह ने आगे कहा कि मेरा आपसे अनुरोध है कि आप विपक्ष से बातचीत करें और आपसी सहमति के आधार पर, आज से ही चर्चा के लिए उतना समय—चाहे दिनों में हो या घंटों में—तय करें जितना आप उचित समझें। मैं इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेने के लिए तय समय पर सदन में मौजूद रहूंगा और विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हूं। इससे पहले शाह ने बुधवार को विपक्ष को संसद में चर्चा के लिए 24 घंटे का समय दिया। उन्होंने कहा कि वे उनके सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं और बुधवार दोपहर 3 बजे से गुरुवार दोपहर 3 बजे तक सदन में मौजूद रहेंगे। शाह ने कहा कि सबसे पहले, 'लापता', 'भाग गए' जैसी बातें भारत के सार्वजनिक और संसदीय जीवन में आजकल ज्यादा सुनने को मिल रही हैं। जब से सत्र शुरू हुआ है, मैं नियमित रूप से संसद आ रहा हूँ; मैं अपने चैंबर में बैठता हूँ, लेकिन चूँकि विपक्ष संसद को—दोनों सदनों में से किसी में भी—काम नहीं करने दे रहा है, तो कोई क्या करे? अमित शाह ने आगे कहा कि जहाँ तक चर्चा की बात है, हमारे संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ कर दिया है कि सरकार नीट विरोध-प्रदर्शनों पर पूरी चर्चा के लिए तैयार है। हमने कहा था कि समय तय किया जाए और विपक्ष तैयार रहे। उनकी शुरूआती माँग यही थी, और हमने उसे मान लिया। मैंने भी कहा है कि मैं संसद में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूँ, फिर भी वे बस चर्चा नहीं होने देना चाहते। अब जनता को तय करने दें कि कौन भाग रहा है। उन्हें आज दोपहर 3:00 बजे तक स्पीकर को एक पत्र सौंपने दें। हम आज दोपहर 3:00 बजे से कल दोपहर 3:00 बजे तक सभी पहलुओं पर चर्चा के लिए तैयार हैं।

हदबंदी पर केंद्र को तमिलनाडु की चुनौती: लोकसभा सीटें 543 पर रहें, विधानसभा में आया प्रस्ताव

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने बुधवार को तमिलनाडु विधानसभा में केंद्र की प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया का विरोध करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में मांग की गई है कि लोकसभा सीटों की संख्या 543 ही बनी रहे और इसी संख्या के आधार पर महिलाओं के लिए आरक्षण लागू किया जाए। विधानसभा में बोलते हुए विजय ने कहा कि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण मौजूदा 543 निर्वाचन क्षेत्रों के आधार पर 2029 के लोकसभा चुनावों में ही लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण को लागू करने में और देरी नहीं होनी चाहिए और जोर देकर कहा कि महिलाओं को आरक्षण देना कोई रियायत नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का मामला है। विजय ने कहा कि मौजूदा 543 निर्वाचन क्षेत्रों के आधार पर, 2029 के लोकसभा चुनावों में ही महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू किया

जाना चाहिए। महिलाओं के लिए 33% आरक्षण में और देरी नहीं होनी चाहिए। तमिलनाडु में पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाओं ने मतदान किया है। महिलाओं को आरक्षण देना कोई रियायत नहीं है; यह सामाजिक न्याय का मामला है। महिलाओं के लिए 33% आरक्षण को बिना किसी और देरी के लागू किया जाना चाहिए। इस प्रस्ताव का मकसद दक्षिणी राज्यों, खासकर तमिलनाडु के राजनीतिक प्रतिनिधित्व की रक्षा करना है। इसमें तर्क दिया गया है कि जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को लागू करने में उनकी सफलता के कारण संसद में उनके प्रतिनिधित्व या राजनीतिक आवाज में कमी नहीं आनी चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि तमिलनाडु समेत सभी राज्यों की जनसंख्या, और साथ ही केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों और चुने हुए प्रतिनिधियों की गिनती 50 से ज्यादा सालों से नहीं हुई है। इसमें बताया गया कि अगली जनगणना 2026 में होनी है और तर्क दिया गया कि चूंकि पिछले पांच दशकों से निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन नहीं हुआ है

राहुल गांधी का अमित शाह पर पलटवार, लेक्चर सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं, छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर पलटवार किया है। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष ने साफ तौर पर कहा है कि हमें अमित शाह का लेक्चर सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। जब मैं 'हम' कहता हूँ, तो मेरा मतलब देश की युवा पीढ़ी से है। छात्रों पर गोली किसने चलाई? छात्रों को कील लगी लाठियों से पीटने का आदेश किसने दिया? क्या हमारे बच्चों पर गोली चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था? अगर उन्होंने ऐसा किया है, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। पिछले 20 दिनों से अमित शाह गायब हैं। भारत के गृह मंत्री में हिम्मत नहीं है; वे सदन में नहीं आ सकते। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को विपक्ष को संसद में चर्चा के लिए 24 घंटे का समय दिया। उन्होंने कहा कि वे उनके सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं और बुधवार दोपहर 3 बजे से गुरुवार दोपहर 3 बजे तक सदन में मौजूद रहेंगे। शाह ने कहा कि सबसे पहले, 'लापता', 'भाग गए' जैसी बातें भारत के सार्वजनिक और संसदीय जीवन में आजकल ज्यादा सुनने को मिल रही हैं। जब से सत्र शुरू हुआ है, मैं नियमित रूप से संसद आ रहा हूँ; मैं अपने चैंबर में बैठता हूँ, लेकिन चूँकि विपक्ष संसद को—दोनों सदनों में से किसी में भी—काम नहीं करने दे रहा है, तो कोई क्या करे? अमित शाह ने आगे कहा कि जहाँ तक चर्चा की बात है, हमारे संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ कर दिया है कि सरकार नीट विरोध-प्रदर्शनों पर पूरी चर्चा के लिए तैयार है। हमने कहा था कि समय तय किया जाए और विपक्ष तैयार रहे। उनकी शुरूआती माँग यही थी, और हमने उसे मान लिया। मैंने भी कहा है कि मैं संसद में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूँ, फिर भी वे बस चर्चा नहीं होने देना

जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती पर झारखंड में गतिरोध जारी, भूख हड़ताल पर बैठे देवेंद्र महतो की हालत हुई गंभीर

राची एजेंसी: झारखंड की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर अभ्यर्थियों व छात्रों का आंदोलन बुधवार को 19वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने मांगें पूरी होने तक अपना आंदोलन तेज करने का संकल्प लिया है। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी)-झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) रिफॉर्म मंच के बैनर तले विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने भर्ती प्रणाली में सुधार पर हेमंत सोरेन सरकार के आश्वासनों के बावजूद अपना आंदोलन वापस लेने से इनकार कर दिया है। वे जेपीएससी और जेएसएससी द्वारा आयोजित परीक्षाओं में अधिक पारदर्शिता, कई परीक्षाओं को रद्द करने और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या राज्य के बाहर के उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की एक समिति से स्वतंत्र जांच कराने की मांग कर रहे हैं। इस बीच, ह्यझारखंड छात्र न्यायह्ल के बैनर तले विद्यार्थियों ने सोमवार को राज्य विधानसभा की ओर मार्च के दौरान छात्रों पर हुए

पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में एक दिवसीय भूख हड़ताल और काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन करने की घोषणा की है। लाठीचार्ज के अलावा, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें छोड़ी थीं और आंसू गैस का इस्तेमाल किया था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कई छात्र घायल हुए हैं। दूसरी ओर रांची पुलिस ने कहा कि झड़पों में उसके 14 कर्मी घायल हुए हैं। इस टकराव से राजनीतिक घमासान शुरू हो गया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पुलिस कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को राज्यव्यापी बंद रखा। भाजपा ने परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच की मांग की और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार पर प्रदर्शनकारी युवाओं की आवाज दबाने का आरोप लगाया। पार्टी ने आधी रात के आसपास धरना स्थल का दौरा करने वाले सरकारी अधिकारियों की मंशा पर भी सवाल उठाए। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने भी मंगलवार को विधानसभा की ओर एक अलग मार्च निकाला। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच ने मंगलवार शाम को रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक मौन जुलूस निकाला। संगठन के नेताओं ने कहा कि आंदोलन जारी रहेगा और विरोध प्रदर्शन को तेज करने के लिए जल्द ही नयी रणनीति की घोषणा की जाएगी।

संसदीय लोकतंत्र का अपमान! किरेन रिजिजू बोले- चर्चा से भाग रहा विपक्ष

नई दिल्ली एजेंसी: संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि वे अपनी ज़िंदगी में पहली बार पूरी तरह से निराश महसूस कर रहे हैं। वे एक ऐसी स्थिति देख रहे हैं जहाँ सरकार संसद में चर्चा करना चाहती है, लेकिन विपक्ष उससे भाग रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति की कल्पना करना भी मुश्किल है, क्योंकि संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष ही चर्चा की मांग करता है और सरकार जवाब देती है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह से परेशान हूँ। अपनी ज़िंदगी में पहली बार मैं ऐसा नजारा देख रहा हूँ जहाँ सरकार संसद में चर्चा करना चाहती है, लेकिन विपक्ष उससे भाग रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है, क्योंकि संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष ही चर्चा की मांग करता है और सरकार जवाब देती है। लेकिन यहाँ, सरकार खुद कह रही है कि हम चर्चा करेंगे और जवाब देंगे, फिर भी विपक्ष सुनने को तैयार नहीं है। क्या आप ऐसी स्थिति की कल्पना कर सकते हैं? किरेन रिजिजू ने आगे कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि उन्होंने बार-बार इस मामले पर चर्चा करने की इच्छा जताई है, फिर भी विपक्ष

सहमत होने से इनकार कर रहा है। उन्होंने कहा कि नतीजतन, गृह मंत्री को एक और पत्र लिखना पड़ा; गृह मंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर फिर से कहा कि हम खुली, व्यापक और विस्तृत चर्चा के लिए तैयार हैं और उनसे विपक्ष के नेताओं को इसके लिए मनाने का आग्रह किया। क्या आपने कभी ऐसी कोई

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर संसद में बहस से भागने का आरोप लगाते हुए अभूतपूर्व निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन में पहली बार है जब सरकार 'खुली, व्यापक और विस्तृत चर्चा' के लिए तैयार है, जबकि विपक्ष इससे बच रहा है

बात सुनी है? सरकार खुद अध्यक्ष से गंभीरता से अनुरोध कर रही है कि वे विपक्ष को चर्चा में भाग लेने के लिए मनाएं। आज भी, हमने बार-बार विपक्ष से तुरंत चर्चा शुरू करने का आग्रह किया, लेकिन उनमें हिम्मत की कमी है। यह देश के लिए अच्छा नहीं है। रिजिजू ने यह भी पूछा कि अगर चर्चा ही नहीं होगी तो संसद कैसे काम करेगी और कहा कि अगर विपक्ष सुनना ही नहीं चाहता तो सरकार संसद में अपनी बात नहीं रख सकती और न ही जवाब दे सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने प्लेकार्ड दिखाना, नारे लगाना और यहाँ तक कि अपशब्द कहना भी आम बात बना दिया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सांसदों को शायद लगता है कि उनका एकमात्र काम नारे लगाना, प्लेकार्ड दिखाना और लोगों को अपशब्द कहना है। उन्होंने यह भी कहा कि वे भूल गए हैं कि संसद बहस और चर्चा के लिए होती है। उन्होंने आगे कहा कि कल सत्र का आखिरी दिन है और हमने आज भी उनसे अपील की है। मैं बहुत भारी और दुखी मन से यह कह रहा हूँ: मैं सचमुच निराश हूँ कि विपक्ष संसद में बहस से भाग रहा है। यह सोचना भी मुश्किल है और समझ से परे है कि संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष बहस से भाग रहा है

संपादकीय

पैलेट के जख्म

इसमें दो राय नहीं कि किसी आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों के किन्हीं परिस्थितियों में उग्र होने और जन-धन की हानि रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन को कार्रवाई करनी होती है। इसमें भी दो राय नहीं है कि राज्य के पास हिंसा को रोकने और कानून-व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पर्याप्त शक्तियां हैं। लेकिन प्रश्न इस बात का भी है कि लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे विरोध को रोकने के लिए प्रयोग की गई ताकत का स्तर क्या रहा। जाहिर है राष्ट्रविरोधी ताकतों, हिंसक भीड़ तथा छात्रों के आंदोलन को एक ही तौर-तरीके से नहीं निपटा जा सकता है। इसी आलोक में सवाल पैदा होता है कि जंतर-मंतर से शुरू हुए संसद चलो मार्च को रोकने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत क्या जरूरी थी? क्या उचित तरीके से अधिकृत थी? ऐसा ही विवाद इस आंदोलन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर खड़ा हुआ है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने शुरूआत से ही पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया। जबकि बाद में जनरल डायरी में यह दर्ज किया गया कि रैपिड एक्शन फोर्स ने एंटी-रायट गन से दो राउंड फायरिंग की थी। वहीं दूसरी ओर छात्र प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को लेकर विपक्षी दल सरकार पर लगातार हमलावर रहे हैं। खासकर, कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष ने गृह मंत्री पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर तीखे प्रहार किए हैं। वे बाकायदा गृह मंत्री के इस्तीफे को लेकर लगातार अभियान चलाते रहे हैं। इसी बीच सूचना के अधिकार के तहत दिल्ली के दो अस्पतालों से एकत्र की गई जानकारी के अनुसार बीस जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम दस लोगों को पैलेट गन से चोट लगी थी। इन अस्पतालों में पैलेट गन से आहत छात्रों ने उपचार कराया था। निस्संदेह, पैलेट गन से घायल होने वालों का यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि यह एक आधिकारिक रिकॉर्ड पर आधारित है, न कि किसी बिना पुष्टि वाले दावों पर आधारित है। दरअसल, पैलेट गन की जद में आये छात्रों के अनुभव परेशान करने वाले रहे हैं। खबरों के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों के चेहरों, छाती और आंखों पर चोट आई है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि एक छात्र की आंख की रोशनी भी जा सकती है। सार्वजनिक विमर्श में सवाल उठाये जाते रहे हैं कि छात्र आंदोलनकारियों के विरुद्ध पैलेट गन का इस्तेमाल करने का तार्किक आधार क्या है। वहीं दूसरी ओर कानून-व्यवस्था बनाये रखने के दौरान मेटल पैलेट गन पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में कहा था कि मौजूदा नियमों के तहत विशेष परिस्थितियों में इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ है: जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है। जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

ललित गर्ग

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र ह्लपरस्परोपग्रहो जीवानाम्ह्व भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरूआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है।

लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो। आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है। भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है। भारत के कुछ राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। तेलंगाना में 2024 में मृतक अंगदान की दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही और उसके ह्यजीवदानह्ण कार्यक्रम के माध्यम से हजारों प्रत्यारोपण संभव हुए। तमिलनाडु में भी मृतक अंगदान की व्यवस्था ने अनेक परिवारों को प्रेरित किया हैय 2026 में एक परिवार ने भाषा की बाधा के बावजूद डिजिटल अनुवाद की मदद से अपने प्रियजन के अंगदान का निर्णय लिया और अनेक मरीजों को जीवन मिला।

जंतर मंतर-रांची: छात्र आंदोलन एक रूप अनेक

निर्मल रानी

देश इन दिनों लगभग राष्ट्रव्यापी छात्र आक्रोश व आंदोलन से रूबरू है। अभी कुछ दिन पहले ही नीट पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ 6 जून से शुरू होकर 25 जुलाई 2026 तक चला आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था। इसके बाद ही झारखंड में भी जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरुद्ध 29 जुलाई से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र आंदोलन की शुरूआत हुई। यहाँ भी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, धांधली और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच आदि मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन और विधानसभा घेराव जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं। परन्तु कुछ दिनों पूर्व हुये दिल्ली के जंतर-मंतर व वर्तमान समय रांची में चल रहे छात्र आंदोलन में जहां कुछ बातें समान हैं वहीं कई बातें विरोधाभासी भी हैं। उदाहरण के तौर पर दोनों ही आंदोलन पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली व अनियमितताओं के खिलाफ किये गए हैं। जंतर मंतर की ही तरह रांची में भी जहाँ आंदोलनस्थल पर अनेक स्वयंसेवी लंगर चला रहे हैं व आंदोलनकारी छात्रों के दूर दराज बैठे समर्थक फूड ऐप्स के जरिए सीधे आंदोलन स्थल पर भोजन ऑर्डर कर रहे हैं व छात्रों को मेडिकल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यहाँ भी भोजन इतनी अधिक मात्रा में आ रहा है कि आंदोलनकारी छात्रों ने वीडियो जारी कर लोगों से कुछ दिन ऑर्डर रोकने की अपील की ताकि खाना बर्बाद न हो और बचे हुए भोजन को जरूरतमंदों में बांटा जा सके। इसके अलावा रांची के स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों द्वारा आंदोलन स्थल पर भोजन,समोसे, बिरयानी,नाश्ता और पानी आदि पहुंचाया जा रहा है। अनशन पर बैठे छात्र नेताओं की सेहत की देखभाल के लिए रांची के सदर अस्पताल में मेडिकल टीम नियमित रूप से आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल) कर रही है। इसके अतिरिक्त झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने निर्देश जारी किया है कि आंदोलन के दौरान बीमार या चोटिल होने वाले छात्रों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी, चाहे वे सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं या निजी अस्पताल में।

परन्तु इन दोनों अर्थात दिल्ली व रांची के आंदोलन में जो सबसे बड़ा विरोधाभास नजर आ रहा है वह है जंतर मंतर के छात्र आंदोलन का विरोध करने वालों का रांची के आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना। बड़ी हैरत की बात है कि जो वर्ग,जो संगठन और जिस विचारधारा से जुड़े लोग जंतर मंतर के आंदोलनकारियों को देशद्रोही, बदतमीज, गटर जनरेशन,गलियां बोलने व अपशब्द इस्तेमाल करने वालों का झुण्ड,विदेशी फंडिंग से चलने वाला आंदोलन बता रहे थे, दिल्ली के आंदोलन में जो लोग हिन्दू-मुस्लिम का दृष्टिकोण ढूंढ रहे थे,जिन्हें दिल्ली के आंदोलन कारी आवारा व चरित्रहीन नजर आ रहे थे वही लोग वही वर्ग और वही विचारधारा रांची के छात्र आंदोलन में कुछ इसतरह बढ़चढ़कर हिस्सा लेने को उतावली है गोया रांची का आंदोलन छात्र आंदोलन के बजाये देश का दूसरा स्वाधीनता संग्राम हो? याद कीजिये कि जंतर मंतर आंदोलन के संदर्भ में ही एक हिंदुत्व विचारक और केरल भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख टीजी मोहनदास ने कहा था कि अगर स्थिति उनके नियंत्रण में होती, तो वे नई दिल्ली के आंदोलन स्थल के आसपास कर्फ़्यू लगाकर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवा देते। इस व्यक्ति ने प्रदर्शन में शामिल धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी विचारधारा वाली छात्राओं व महिलाओं के साथ रेप करवाने जैसी बेहद अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की थीं। साथ ही गोदी मीडिया के नाम से बदनाम सत्ता का पिछलग्गू मीडिया भी जो जंतर मंतर आंदोलन से या तो मुंह मोड़े हुआ था या इसी आंदोलन विरोधी वर्ग की तरह आंदोलन में केवल नकारात्मकता तलाश रहा था,जिसे संसद भवन के पास चल रहा इतना बड़ा छात्र आंदोलन नजर नहीं आ रहा था वही मीडिया रांची में डेरा जमाये हुये है और अपने तरीके से छात्र आंदोलन का नरेटिव सेट करने में लगा है। इस दोहरेपन का केवल एक ही कारण है कि दिल्ली में केंद्र व दिल्ली राज्य, दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं जबकि झारखण्ड में झारखंड मुक्ति मोर्चा , कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल, के गठबंधन यानी इण्डिया गठबंधन की सरकार है और झामुमो के हेमंत सोरेन इस सरकार के मुख्यमंत्री हैं। इसलिये इनका समर्थन छात्र आंदोलन को नहीं बल्कि यह झारखण्ड में इण्डिया गठबंधन की सरकार का विरोध कर रहे हैं। इस अवसरवादी विचारधारा का विरोध करने वालों का चेहरा रांची में उस समय भी बेनकाब हुआ जबकि जंतर मंतर के आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा और वहां अनशन पर बैठने वाली अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA की केंद्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा जब हजारों छात्रों के साथ विधानसभा के लिये मार्च निकाल रही थीं उस समय एक युवक ने नेहा पर स्याही फेंक कर छात्र आंदोलन को समर्थन देने की अपनी हकीकत को उजागर कर दिया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया और पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया। नेहा बोरा ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिनके पास तर्क या बहस की क्षमता नहीं होती, वे ऐसी हरकतों पर उतर आते हैं। उन्होंने इस हमले के पीछे भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों का हाथ होने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि नेहा बोरा व उनका संगठन अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA जंतर मंतर के आंदोलन में भी शामिल था और उसी उत्साह के साथ रांची में भी सक्रिय है। जबकि रांची में छात्र आंदोलन का मुख्य चेहरा बनने की इच्छा पालने वाले लोग जंतर मंतर में न केवल लापता थे बल्कि उसके विरोध में भी खड़े थे। कहा जा सकता है कि जंतर मंतर व रांची दोनों जगह छात्र आंदोलन व उनकी मांगें व समस्याएँ तो लगभग एक हैं परन्तु उनके अनेक रूप देखे जा रहे हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्त्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली।

इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है।

तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे बिनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-जी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए।

सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं। वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं। जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

पांच दिवसीय एफ एल एन प्रशिक्षण का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के प्रत्येक विकासखंड में समग्र शिक्षा के अंतर्गत ब्लॉक संसाधन केंद्र पर परिषदीय प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत प्रधान अध्यापक ,सहायक अध्यापक एवं शिक्षामित्र का पांच दिवसीय प्रशिक्षण चल रहा है । इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य शैक्षिक सत्र 2026- 27 से परिषदीय विद्यालयों में एनसीईआरटी की पुस्तकों एवं बच्चों को आधारभूत भाषा एवं संख्या ज्ञान से संबंधित नवीन तकनीक, पाठ योजनाओं एवं विभाग द्वारा संचालित समस्त योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ मोनिका के द्वारा विकासखंड जोया के ब्लॉक संसाधन केंद्र नारंगपुर में प्रशिक्षण का निरीक्षण किया गया । प्रशिक्षण 50-50 के दो बैच में संचालित किया जा रहा था प्रशिक्षण ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (ए आर पी)के द्वारा दिया जा रहा था जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के द्वारा प्रशिक्षण के संबंध में अध्यापकों से जानकारी प्राप्त की गई तथा प्रशिक्षण के दौरान अध्यापक के प्रश्नों का उत्तर दिया गया । उनके द्वारा बताया गया गत वर्ष निपुण परीक्षा में जनपद में प्रदेश में 13वां स्थान प्राप्त किया था इस वर्ष भी अध्यापक इस प्रशिक्षण को प्राप्त कर जनपद की रैंकिंग को अच्छा करने का प्रयास करें । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा निपुण मूल्यांकन ऐप की उपयोगिता, संदर्शिकाओं का प्रयोग, प्रिंट रिच सामग्री, पाठ योजना का उपयोग पर विशेष बल दिया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को प्रशिक्षण में तीन अध्यापक रेनू रानी जोगिंदर सिंह एवं सुखबीर सिंह अनुपस्थित मिले। जिनके स्पष्टीकरण मांगा गया। जिला समन्वयक प्रशिक्षण प्रशांत कुमार के द्वारा ब्लाक संसाधन केंद्र याहियापुर विकासखंड अमरोहा का निरीक्षण किया गया । यहां पर भी दो बैच में 50- 50 अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा था प्रशिक्षण के दौरान तीन अध्यापक अनुपस्थित पाए गए। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को अवगत कराया गया। जिला समन्वयक प्रशिक्षण के द्वारा लोकेटेड विद्यालयों में बाल वाटिका में पाठ्य पुस्तकों के उपयोग, सतत परीक्षा, निपुण मूल्यांकन का अधिक से अधिक प्रयोग तथा एनसीईआरटी के पठन-पाठन पर विशेष बल दिया गया । प्रशिक्षण में खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार एवं समस्त एआरपी उपस्थित रहे ।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय गोल्ड ओ.टी.डी. सेल की समीक्षा बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट अमरोहा में राज्य की आय को 01 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुँचाने के उद्देश्य से गठित जनपद स्तरीय गोल्ड ओ.टी.डी. सेल की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्यों एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं एवं विकास कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर निवेश, रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास, कृषि, जीएसटी, वन आदि सहित अन्य आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में सभी विभाग अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि विभागीय योजनाओं की नियमित समीक्षा की जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करते हुए जनहित से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समय से पहुँचाया जाए। बैठक में पीडीआरडीए अंबरीश कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी पुनीत कुमार, जीएमडीआईसी, एलडीएम आदि साहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों एवं योजनाओं की बैठक हुई सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में संचालित विकास कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने खराब रैंक वाले विभागों से नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि जिन विभागों की रैंक सी0 व डी0 है वह बेहतर कार्य करें ताकि रैंक में सुधार किया जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि लक्ष्यों को पूर्ण करने में कोई कोताही न बरते और रैंकिंग में सुधार लाएं। जिन विभागों की खराब रैंक आई है वो कारणों को चिन्हित कर दूर करते हुए रैंकिंग में सुधार लाएं। निर्देशित किया कि सभी विभाग समय पर फीडिंग करें। जिलाधिकारी द्वारा सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रही रैंकिंग पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि खराब रैंकिंग वाले विभाग सुधार लाएं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर फीड होने वाले समस्त आंकड़ों को समयबद्ध एवं सटीक रूप में अपडेट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नही की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पीडी डीआरडीए अमरीश कुमार, अर्थ एवं संख्या अधिकारी पुनीत कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाली अमावस्या पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में आस्था की डुबकी, पुलिस प्रशासन रहा अलर्ट

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गंगा धाम तिगरी एवं ब्रजघाट में बुधवार को हरियाली अमावस्या के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई इस दौरान गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। भोर होते ही गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ का जमावड़ा लग गया जिन्होंने गंगा में डुबकी लगाकर पूजा अर्चना की उधर गंगा घाट भी 'हर हर गंगे' और 'हर हर महादेव' के जयकारों से गूंजता दिखाई दिया। बता दें कि बुधवार को बृजघाट और तिगरी गंगा धाम में हरियाली अमावस्या के पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही हजारों भक्त गंगा स्नान के लिए घाटों पर पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान हर-हर गंगे और ह्रहर-हर महादेव के जयकारों से पूरा गंगा तट भक्तिमय बना रहा।श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद अपने पितरों की शांति के लिए पिंडदान और तर्पण किया। धार्मिक मान्यता के अनुसार हरियाली अमावस्या के दिन गंगा स्नान और दान-पुण्य करने से विशेष फल मिलता है। श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और पितरों की शांति की कामना की।प्रशासन के अनुसार, घाटों पर श्रद्धालुओं का आगमन सुबह करीब 4 बजे से शुरू हो गया था। सुबह साढ़े दस बजे तक बड़ी संख्या में लोग गंगा स्नान और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते रहे। भीड़ के चलते घाटों और आसपास के क्षेत्रों में चहल-पहल बनी रही।श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से घाटों पर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिसकर्मियों के साथ गोताखोरों की टीमें भी तैनात रहीं।

सुरक्षा कर्मियों ने गंगा स्नान के दौरान श्रद्धालुओं की गतिविधियों पर नजर रखी और घाटों पर व्यवस्था बनाए रखने में जुटे रहे।

धनौरा में विशाल 'हर घर तिरंगा' यात्रा का आयोजन,एसडीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना,नगर में गूंजे भारत माता की जय के जयकारे

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में बुधवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत एक विशाल रैली का आयोजन कराया गया।इस दौरान संपूर्ण नगर में देशभक्ति का उत्साह देखा गया। रैली का शुभारंभ मंडी धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली को तहसील और ब्लॉक परिसर दो अलग-अलग स्थानों से प्रारंभ किया गया जिसमें अधिकारी, कर्मचारी और एनसीसी कैडेट्स ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बता दें कि 33वीं वाहिनी एनसीसी अमरोहा के कर्नल गौतम राय के निदेर्शानुसार और सूबेदार अनिल कुमार के मार्गदर्शन में तहसील परिसर से एक विशाल 'हर घर तिरंगा' रैली का आयोजन किया गया। उप जिलाधिकारी (एसडीएम) शैलेश कुमार दुबे ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया।यह रैली तहसील परिसर से शुरू होकर मोहल्ला कटरा, विकास नगर और होली चौक से होते हुए महाविद्यालय परिसर में समाप्त हुई। इसमें भागीरथी देवी महाविद्यालय और वाईएमएस डिग्री कॉलेज मंडी धनौरा के 35 एनसीसी कैडेट्स शामिल थे।रैली के दौरान कैडेट्स ने "भारत माता की जय", "वंदे मातरम" और "33वीं वाहिनी NCC अमरोहा की जय" जैसे गगनभेदी नारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया।इसी क्रम में, बुधवार दोपहर ब्लॉक परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) प्रतिभा अग्रवाल और एडीओ पंचायत योगेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा ब्लॉक परिसर से शुरू होकर देशभक्ति के नारों के साथ मुसल्लेपुर गांव में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बीडीओ प्रतिभा अग्रवाल ने आमजन से अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की।इस अवसर पर सीडीपीओ केपी सिंह, मोहित सिद्धू, विशाल, दीवान सिंह सहित ब्लॉक का समस्त स्टाफ, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सफाई कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।लेफ्टिनेंट संजीव कुमार, डॉ. अवनीश कुमार, राजधानी गोला, डॉ. प्रतिभा सारस्वत, चारु वशिष्ठ, मोहम्मद जीशान, ललित कुमार, सुनील कुमार सैनी, सुरेंद्र कुमार, हरिओम शर्मा, कुमारी छवि, सोनिया चौधरी और मोहित कुमार सहित अनेक अन्य लोग भी उपस्थित थे।

अमरोहा में दो दिवसीय अप्रेन्टिस एवं रोजगार मेला का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्राम केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में दिनांक 13 और 14 अगस्त 2026 को दो दिवसीय अप्रेन्टिस एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेला प्रतिदिन पूर्वाह्न 10:00 बजे से प्रारंभ होगा। इस मेले में जनपद अमरोहा की सहकारी चीनी मील काला खेड़ा हसनपुर सहित अन्य प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी। विभिन्न व्यवसायों के लिए आईटीआई, हाईस्कूल, स्नातक, डिग्री तथा डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन अप्रेन्टिसशिप एवं रोजगार हेतु किया जाएगा। मेले का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को रोजगार के सुनहरे अवसर उपलब्ध कराना तथा उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार कुशल कर्मियों का चयन करना है। आयोजकों ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर संस्थान में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं। अमरोहा जिले के युवाओं के लिए यह मेला महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, क्योंकि इसमें स्थानीय कंपनियों द्वारा सीधे चयन की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, केशोपुर पहुंचकर पंजीकरण करा सकते हैं और अपनी योग्यता के अनुसार उपयुक्त पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में पंच सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट अमरोहा में विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया तदोपरांत मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र और पीडीडीआरडीए अमरीश कुमार ने जिलाधिकारी और उपस्थिति ब्लाक प्रमुखो को बुके देखकर एवं कैप पहनाकर स्वागत किया। तदोपरांत सम्मेलन में जनपद की ग्राम पंचायतों में वीबी-जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, रोजगार सृजन, ग्रामीण विकास तथा स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि वीबी-जी राम जी ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ विकास कार्यों को गति देने वाली महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए तथा पात्र श्रमिकों को अधिकतम रोजगार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ जनभागीदारी बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि यह भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे मनरेगा में आवश्यक सुधार करते हुए अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया गया है। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत किए जाने वाले सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ संपादित किए जाएं तथा ग्राम के पात्र लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर लोगों के पलायन को रोकना है, ताकि उन्हें आजीविका के लिए शहरों की ओर जाने की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण विकास की अन्य योजनाओं में सर्वोपरि स्थान रखती है और इसके प्रभावी क्रियान्वयन से गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया कि योजना के क्रियान्वयन में यदि किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो संबंधित अधिकारी जिला प्रशासन से तत्काल संपर्क करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन हर संभव सहयोग प्रदान करेगा, जिससे योजना का सफल एवं जनहितकारी संचालन सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य विकास अधिकारी ने वीबी-जी राम जी तथा मनरेगा के मध्य प्रमुख अंतर बताते हुये जानकारी देते हुये कहा कि वीबी-जी राम जी योजना को मनरेगा की तुलना में अधिक व्यापक, आधुनिक एवं ग्राम विकास केंद्रित बनाया गया है। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी प्रदान की गई है, जबकि मनरेगा में केवल 100 दिनों के रोजगार का प्रावधान है। साथ ही, मजदूरी का भुगतान 7 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से करने का प्रावधान है, जबकि मनरेगा में यह अवधि 15 दिन निर्धारित है। इस योजना में जीआईएस आधारित पीएम मिशन शक्ति के माध्यम से कार्यों की निगरानी एवं सहायता का प्रावधान किया गया है, जबकि मनरेगा में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। वर्षा ऋतु में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए 60 दिनों तक कार्य बंद रखने का प्रावधान भी शामिल किया गया है, जो मनरेगा में उपलब्ध नहीं है। वीबी-जी राम जी के अंतर्गत कार्यों का दायरा बढ़ाते हुए उन्हें चार प्रमुख वर्गों में विभाजित किया गया है तथा भवन, प्रयोगशाला एवं जलजीवन मिशन से संबंधित कार्यों को भी शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त विकास के मानकों के अनुरूप ए, बी एवं सी ग्रेडिंग, प्राकृतिक आपदाओं अथवा असाधारण परिस्थितियों के लिए विशेष कार्ययोजना तथा नागरिकों को रियल-टाइम सूचना एवं मैनेजमेंट हेतु डैशबोर्ड की व्यवस्था भी की गई है, जबकि मनरेगा में ऐसे प्रावधान नहीं हैं। योजना के प्रभावी संचालन के लिए प्रशासनिक मद की राशि 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दी गई है। साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित ग्राम पंचायत के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अनुसूचित श्रमिकों के कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन पर विशेष बल दिया गया है तथा विकसित ग्राम पंचायत योजना के सभी कार्यों को विकसित भारत संकल्प के साथ एकीकृत करने का प्रावधान भी किया गया है। वीबी-जी राम जी में अधिनियम के उद्देश्यों का उल्लंघन करने पर ₹10,000 तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है, जबकि मनरेगा में यह सीमा ₹1,000 तक थी। वित्तीय व्यवस्था के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य सरकारों की 60:40 की हिस्सेदारी (पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 90:10) निर्धारित की गई है तथा राज्यों के लिए मानक बजट स्वीकृत करने और अतिरिक्त व्यय की जिम्मेदारी राज्य सरकार पर रखने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ऑपरेशन गाइडेंस, कोऑर्डिनेशन एवं मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तरीय संचालन समिति गठित किए जाने का प्रावधान किया गया है। इन सभी प्रावधानों के कारण वीबी-जी राम जी योजना मनरेगा की तुलना में अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, तकनीक आधारित एवं समग्र ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने वाली योजना के रूप में प्रस्तुत की गई है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार कुल 318 कार्यों को चार प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया गया है। इनमें जल सुरक्षा से संबंधित 107 कार्य, ग्रामीण आधारभूत संरचना के 90 कार्य, ग्रामीण आजीविका से संबंधित 86 कार्य तथा आपदा प्रबंधन के 35 कार्य सम्मिलित हैं। इन सभी कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विकास, जल संरक्षण, आजीविका के अवसरों का सृजन तथा आपदा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख गजरौला, ब्लाक प्रमुख गंगेश्वरी, पीडीडीआरडीए, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी आदि सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित प्रतिभागी उपस्थित रहे।

किसानों को मुफीद साबित हो रहा जेबीएफ का मृदा परीक्षण केंद्र

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला औधोगिक नगरी स्थित जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन के ग्रामीण समृद्धि केंद्र पर स्थित मृदा परीक्षण केंद्र किसानों को मुफीद साबित हो रहा है। यहां किसान अपने खेतों की मिट्टी की जांच कराकर उन्नत खेती कर रहे हैं।बता दें कि बुधवार को जेबीएफ के कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव ने बताया कि नगर के मोहल्ला गंगानगर में स्थित जेबीएफ के ग्रामीण समृद्धि केंद्र पर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण तो दिया ही जाता है। साथ ही यहां मृदा परीक्षण केंद्र भी है जहां ब्लाक के कई गांवों के किसान अपने खेतों की मिट्टी लाकर उसकी जांच कराते हैं। कमी पाए जाने पर वैज्ञानिक तरीके से उसका उपचार कराते हैं और फिर उन्नत खेती करते हैं। मृदा परीक्षण केंद्र के लैब टेक्नीशियन अभिषेक कुमार ने बताया कि इसके लिए किसानों को अपने खेत के चारों कोने और बीच के हिस्से से महज 100 ग्राम मिट्टी लानी होती है। इस मिट्टी का मिश्रण कर घोल बनाकर उसका परीक्षण किया जाता है। उन्होंने बताया कि जेबीएफ की इस लैब से कई किसान लाभांवित हो रहे हैं।वहीं जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जुबिलेंट शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा प्रोत्साहन, पर्यावरण संरक्षण, चिकित्सा, कृषि आदि तमाम क्षेत्रों में सतत कार्य कर रही है।

कृषि ऋण शिविर में 50 किसानों को वितरित हुआ 25 लाख रुपये का केसीसी ऋण

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद में बुधवार को केनरा बैंक बहजोई की ओर से ग्राम पंचायत भवन चाटन, विकासखंड बहजोई में कृषि ऋण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य किसानों को कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), फसल बीमा तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ना रहा। शिविर में अंचल कार्यालय केनरा बैंक लखनऊ से आए सहायक महाप्रबंधक ललित आर्य ने जनपद में कृषि क्षेत्र में बैंक की उपलब्धियों एवं किसानों के लिए संचालित ऋण सुविधाओं की जानकारी दी। क्षेत्रीय कार्यालय केनरा बैंक बरेली से आए मंडल प्रबंधक संजीव पोद्दार ने किसान क्रेडिट कार्ड एवं फसल बीमा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए किसानों को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक संभल ललित विजय राय ने जनपद में संचालित कृषि ऋण योजनाओं, कृषि क्षेत्र से संबंधित बैंकिंग सुविधाओं तथा वित्तीय साक्षरता के संबंध में किसानों को जागरूक किया। वहीं कृषि विभाग के एडीओ (कृषि) एवं बीटीएम ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी किसानों को दी। शिविर के दौरान 50 किसानों को कुल 25 लाख रुपये के किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण का वितरण किया गया। इसके अलावा करीब 100 किसानों को छाते, पौधे एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन केनरा बैंक बहजोई शाखा प्रबंधक सावन कुमार ने किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। अधिकारियों ने किसानों से बैंक एवं कृषि विभाग की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

तिरंगा यात्रा में उमड़ा देशभक्ति का जज्बा, भाजपा कार्यकताओं ने निकाली भव्य यात्रा

सम्भल (सब का सपना):- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर बुधवार को सम्भल नगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति और राष्ट्रगौरव की भावना का उत्सव मनाया। तिरंगा यात्रा में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंघल, डॉ. अरविंद गुप्ता, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष किसान मोर्चा विरलेश यादव, जिला महामंत्री शिल्पी गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष विपिन गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष सौरभ गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन वाल्मीकि, भाजयुमो जिला सोशल मीडिया प्रभारी एवं नामित सभासद आलोक भारती वाल्मीकि, जिला मंत्री युवा मोर्चा हिमांशु कश्यप, भाजयुमो जिला कार्यालय प्रभारी अक्षत अग्रवाल, नगर अध्यक्ष कशिश कौशल, नगर महामंत्री कैलाश चंद्र गुप्ता एवं सुनील सहित नगर भाजपा की पूरी टीम ने सहभागिता की। इसके अलावा नामित सभासद गोपाल शर्मा, नामित सभासद शोभित गुप्ता, सभासद गगन वार्ष्णेय, सभासद महावीर तथा नामित सभासद सय्यद शान अली सहित नगर के बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं राष्ट्रप्रेमी तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के दौरान कार्यकताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया। कार्यकताओं ने देश की एकता, अखंडता एवं राष्ट्रगौरव की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर नामित सभासद उत्तर प्रदेश सरकार, नगर पालिका परिषद सम्भल सय्यद शान अली ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए।

पांच बीघा शासकीय भूमि से हटाया अवैध कब्जा, प्रशासन की कार्रवाई से मचा हड़कंप

सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर जनपद में सरकारी तालाबों, चकमार्गों एवं अन्य शासकीय भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को ग्राम शाहपुर डसर में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए करीब पांच बीघा शासकीय भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र के निर्देशन एवं नायब तहसीलदार सम्भल शुभम के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ग्राम शाहपुर डसर पहुंची। टीम ने गाटा संख्या 278 में स्थित खाद के गड्ढों की लगभग पांच बीघा भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटवाकर भूमि को कब्जामुक्त कराया। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शासकीय भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को चिन्हित कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही दो हेक्टेयर एवं उससे अधिक क्षेत्रफल वाले तालाबों का चिन्हीकरण कर उनकी सूची तैयार करने तथा उन्हें अवैध कब्जों से मुक्त कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि तालाब, झील, चकमार्ग, वृक्षारोपण भूमि सहित किसी भी शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने का अभियान लगातार जारी रहेगा और चिन्हित अवैध कब्जों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

परिवार परामर्श केंद्र में 44 पत्रावलियों पर हुई सुनवाई, तीन बिछड़े परिवार फिर मिले

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेश तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण मनोज रावत और क्षेत्राधिकारी बहजोई स्तुति सिंह के निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को चंदौसी के गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक में पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को काउंसलरों के सहयोग से सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित कराने का प्रयास किया गया। इस दौरान कुल 44 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई। इनमें से 9 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया, जबकि तीन बिछड़े हुए परिवारों को आपसी समझाइश के बाद पुनः मिलाया गया। वहीं पांच पत्रावलियों को आवेदक द्वारा पैरवी न करने तथा अन्य कारणों के चलते बंद कर दिया गया। एक पत्रावली में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। बैठक के दौरान परामर्श केंद्र के सदस्यों ने पति-पत्नी एवं उनके परिजनों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आपसी मतभेद दूर कर परिवार को बचाने के लिए समझाइश दी।

इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, पूनम अरोड़ा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, रेनू राठी, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों में जमकर पथराव और फायरिंग, छह आरोपी गिरफ्तार

गुन्नौर/संभल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम अकबरपुर में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद के बाद जमकर गाली-गलौज, पथराव और फायरिंग का मामला सामने आया। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा एवं खोखा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मंगलवार को थाना गुन्नौर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम अकबरपुर स्थित जहारवीर बाबा मंदिर के पास दो पक्षों के लोग पुरानी रंजिश को लेकर आमने-सामने हैं। प्रथम पक्ष के सत्यपाल पुत्र छोटेलाल के हाथ में अवैध तमंचा तथा जबर सिंह और संजय सिंह के हाथों में ईंट-पत्थर एवं लाठी-डंडे थे। वहीं दूसरे पक्ष के धर्मेन्द्र पुत्र जगतपाल, मनोज पुत्र भूरे, ओमकार पुत्र कुंवरपाल और रोहताश पुत्र महेन्द्र के हाथों में तमंचे तथा कन्हैया पुत्र चन्द्र व अन्य लोग लाठी-डंडे लिए हुए थे। बताया गया कि दोनों पक्ष एक-दूसरे को गाली-गलौज करते हुए ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से हमला करने के साथ ही तमंचों से फायरिंग कर रहे थे। मामले में थाना गुन्नौर पर आर्म्स एक्ट के तहत सत्यपाल सहित आठ नामजद आरोपियों एवं अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के बाद थाना गुन्नौर पुलिस टीम ने वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने जबर सिंह, संजय सिंह, धर्मेन्द्र और ओमकार को ग्राम अकबरपुर से तथा मनोज और सत्यपाल को बुधवार को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक सत्यपाल के कब्जे से अवैध तमंचा एवं खोखा कारतूस बरामद किया गया है। गिरफ्तार सभी आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस द्वारा मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

खुद को गोली मरवाकर दुश्मन को फंसाने की थी साजिश, पुलिस ने खोला राज

पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, सीसीटीवी व सीडीआर से खुला राज

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद के थाना चंदौसी में एक युवक को गोली मारने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए सनसनीखेज साजिश का पदार्फाश किया है। पुलिस के अनुसार युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर खुद को गोली मरवाई, ताकि रुपये के लेनदेन के विवाद में भुवनेश नामक व्यक्ति को झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजा जा सके। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 9 अगस्त को थाना चंदौसी में वर्षा, उम्र 23 वर्ष, पुत्री शिवओम गुप्ता, निवासी मोहल्ला कायस्थान, थाना चंदौसी ने तहरीर दी थी। इसमें बताया गया था कि 5-6 अज्ञात व्यक्तियों ने उसके भाई अक्षय को रास्ते में रोक लिया और सीने पर तमंचा रख दिया। छीना-झपटी के दौरान अक्षय के पैर में घुटने के पास गोली लग गई। तहरीर के आधार पर थाना चंदौसी में मुकदमा दर्ज कर विवेचना उपनिरीक्षक नितिन गौतम को सौंपी गई थी। पुलिस ने घटना की जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, सीडीआर तथा अन्य साक्ष्यों का गहनता से अवलोकन किया। जांच में सामने आया कि पीड़ित/अभियुक्त अक्षय गुप्ता ने भुवनेश को झूठे मुकदमे में फंसाने के इरादे से अपने साथियों के साथ मिलकर स्वयं के साथ गोली चलवाने की घटना की साजिश रची थी। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे का सफल अनावरण करते हुए आर्म्स एक्ट की धारा की बढ़ोतरी की। पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए प्रकाश में आए रोहन गुप्ता पुत्र कृपानन्दन गुप्ता, उम्र 23 वर्ष, जतिन पुत्र संजीव, उम्र 22 वर्ष तथा अक्षय गुप्ता पुत्र शिवओम गुप्ता को कैथल बाजार तिराहा से आटा की ओर जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया। तीनों के विरुद्ध थाना चंदौसी में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूछताछ में आरोपी रोहन गुप्ता ने बताया कि उसकी और जतिन की करीब 20-22 दिन पहले अक्षय गुप्ता से जान-पहचान हुई थी। अक्षय ने उन्हें बताया था कि बहजोई निवासी भुवनेश के साथ उसका करीब 1.60 लाख रुपये के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा है। पुलिस के अनुसार, अक्षय ने भुवनेश को झूठे मुकदमे में फंसाने के लिए खुद को गोली मारने की योजना बनाई। आरोपी के कथित बयान के अनुसार, अक्षय ने दोनों को चंदौसी बुलाकर तमंचा और दो कारतूस दिए तथा इस काम के लिए 10 हजार रुपये भी दिए। उसने घटना को अंजाम देने का तरीका भी बताया था। योजना के अनुसार अक्षय को अपनी दुकान जाते समय रास्ते में दोनों साथियों द्वारा उसके पैर में गोली मारनी थी, जिसके बाद वे मौके से भाग जाते और अक्षय शोर मचाकर परिजनों के माध्यम से भुवनेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की योजना थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त हथियार एवं अन्य सामान के संबंध में कार्रवाई करते हुए मामले की विवेचना जारी रखी है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर घटना का अनावरण किया गया है और आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

तिरंगे संग निकलीं छात्राएं, बहजोई में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- हीरा देवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज, बहजोई में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ रैली निकाली। इस अवसर पर छात्राओं को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के महत्व, उसकी गरिमा एवं सम्मान के संबंध में जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि तिरंगा देश की स्वतंत्रता, एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह राष्ट्रीय ध्वज का सदैव सम्मान करे और देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने में अपना योगदान दे। रैली के दौरान छात्राओं ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर निकली छात्राओं ने देशभक्ति के नारों के माध्यम से लोगों को राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य छात्राओं में राष्ट्रप्रेम, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

हरियाली तीज पर सजा तीज महोत्सव, महिलाओं ने बिखेरी संस्कृति और प्रतिभा की छटा

संभल(सब का सपना):- महिला शक्ति संगठन के तत्वावधान में हरियाली तीज के पावन अवसर पर भव्य तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सजे समारोह में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर भारतीय संस्कृति, परंपरा और नारी शक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम की समस्त व्यवस्था अंजना गुप्ता एवं कविता गुप्ता ने संभाली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आकांक्षा बाष्णेय एवं उषा शशि गंभीर रहीं, जबकि अध्यक्षता दीपा वाष्णेय ने की। मुख्य अतिथियों एवं कार्यक्रम अध्यक्षा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इसके बाद अध्यक्षा दीपा वाष्णेय ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि तीज का त्योहार भारतीय संस्कृति, उमंग और नारी शक्ति का प्रतीक है। ऐसे आयोजन परंपराओं को जीवंत रखने के साथ महिलाओं को एकजुट होकर खुशियां बांटने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। महोत्सव में महिलाओं एवं युवतियों के लिए मेहंदी प्रतियोगिता, नृत्य प्रदर्शन तथा विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। राजस्थानी एवं सावन के गीतों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। रिचा ने मल्हार प्रस्तुत कर समां बांधा, जबकि खुशबू और निशि ने फिरकी वाली तू कल फिर आना गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी की तालियां बटोरीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तीज क्वीन प्रतियोगिता रही। इसमें महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों, श्रृंगार और आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथियों एवं अध्यक्षा दीपा वाष्णेय ने प्रतियोगिता के विजेताओं को उपहार एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। अंत में संगठन की पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने तीज महोत्सव का जमकर आनंद लिया और आयोजन को यादगार बनाया।

अमावस्या पर स्नान के लिए जा रहे बाइक सवारों को पिकअप ने मारी टक्कर, एक महिला की मौत व पांच वर्षीय मासूम समेत तीन घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र में बुधवार को अमावस्या के अवसर पर बाइक पर सवार होकर गंगा स्नान करने जा रहे एक ही परिवार के लोगों को एक तेज रफ्तार पिकअप ने टक्कर मार दी। इस सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक 42 वर्षीय महिला की मौत हो गई वहीं एक 5 वर्षीय मासूम सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में घायल लोगों का उपचार जारी है ।यह हादसा बुधवार सुबह करीब 10 बजे के आसपास हुआ। बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना डिडौली क्षेत्र के दीपपुर गांव निवासी ममता देवी उम्र 42 वर्ष परिवार के साथ बाइक से तिगरी गंगा स्नान के लिए जा रहे थे।बाइक पर उनके साथ कोमल उम्र 26 वर्ष, जीजा धर्मेंद्र उम्र 28 वर्ष और पांच वर्षीय शिवा सवार थे। जैसे ही वह तिगरी मार्ग पर पहुंचे तो सामने से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बाइक पर सवार सभी लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायलहो गए। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों की भीड़ का जमावड़ा लग गया। भीड़ में शामिल लोगों ने सभी घायलों को आनन-फानन अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टर ने सभी का उपचार करना शुरू किया लेकिन इस दौरान ममता की हालत बिगड़ने लगी और उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। उधर हादसे की जानकारी मिलते ही उनके परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। परिजनों के अस्पताल पहुंचते ही अस्पताल परिसर में चीख पुकार मच गई उधर महिला की मौत से परिवार में भी कोरमा मचा हुआ है। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतका के परिजनों ने निजी एंबुलेंस चालक पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि गजरौला सीएचसी से ममता को जिला अस्पताल रेफर किया गया था, लेकिन एंबुलेंस चालक उन्हें जिला अस्पताल ले जाने के बजाय चौधरपुर स्थित एक निजी अस्पताल लेकर चला गया।

परिजनों का आरोप है कि वहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई ।गजरौला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के बाद मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एडीएम के औचक निरीक्षण से नगर पालिका में मचा हड़कंप

आउटसोर्सिंग कर्मियों की फाइलों से लेकर विभागीय व्यवस्थाओं तक खंगाली रिकॉर्ड, ध्वज वितरण न होने पर जताई नाराजगी

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित ने बुधवार को नगर पालिका परिषद नगीना का अचानक औचक निरीक्षण किया। एडीएम के अचानक पहुंचने से पालिका कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण विभाग, जन्म-मृत्यु एवं स्वास्थ्य विभाग, रिकॉर्ड रूम, पथ प्रकाश विभाग समेत विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं और अभिलेखों की जांच की। एडीएम के करीब 10:45 बजे नगर पालिका पहुंचने के समय कई लिपिक कार्यालय में मौजूद नहीं थे। उनके पहुंचते ही मौजूद कर्मचारियों ने फोन कर अन्य कर्मचारियों को बुलाया। एडीएम ने सड़क निर्माण से संबंधित शिकायतों की फाइलों को बारीकी से देखा और अभिलेखों में कमियां मिलने पर नाराजगी जताई। उन्होंने आउटसोर्सिंग एवं संविदा कर्मचारियों से संबंधित फाइलों की भी गंभीरता से जांच की। सफाई निरीक्षक धीरज राय वर्मा से संबंधित आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों की शिकायतों की फाइलों को भी खंगाला गया। नगर पालिका में रखे राष्ट्रीय ध्वजों का वितरण न किए जाने पर एडीएम ने कड़ी नाराजगी जताई और तत्काल ध्वजों का वितरण कराने के निर्देश दिए। वहीं स्वास्थ्य विभाग के एक कर्मचारी द्वारा उपस्थिति रजिस्टर में 13 अगस्त की हाजिरी पहले ही दर्ज किए जाने पर एडीएम भड़क गईं। उन्होंने संबंधित कर्मचारी को जमकर फटकार लगाई। उनकी नाराजगी की आवाज कार्यालय से बाहर तक सुनाई दी। पत्रकारों ने एडीएम से निरीक्षण के संबंध में जानकारी मांगी, लेकिन उन्होंने विस्तृत जानकारी बाद में देने की बात कही और निरीक्षण के दौरान मिली कमियों पर तत्काल कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। इसी दौरान नगर पालिका के वार्ड सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल भी एडीएम अंशिका दीक्षित से मिला और अपने-अपने वार्डों की विभिन्न जनसमस्याओं से उन्हें अवगत कराया। एडीएम ने समस्याओं को गंभीरता से सुना। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार, चेयरपर्सन पुत्र शेख शाहनवाज खलील, सफाई निरीक्षक धीरज राय वर्मा, कार्यवाहक प्रधान लिपिक इफ्तिखार जेदी, मुनीर जेदी, जेई रविंद्र कुमार, संदीप वाल्मीकि, नरेश कुमार, तलत अहमद, असलम अहमद, दिनेश कुमार, रोहित कुमार, अनीता शर्मा, दीपक कुमार, फैज अहमद आदि मौजूद रहे।

शिवरात्रि के मौके पर वाल्मीकि युवाओं ने हवन पूजन के बाद किया भंडारा

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर समाज में सुख शांति के लिए वाल्मीकि युवाओं ने शिव चौक पर कराया हवन पूजन वे भंडारा, सैकड़ो लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर वाल्मीकि समाज के युवाओं अमित कुमार उर्फ बांगढ़, मोहित कुमार, आकाश कुमार, अंजय कुमार, शिवम कुमार, अतुल कुमार ने समाज में सुख शांति के लिए बुधवार को बाल्मीकि बस्ती स्थित शिव चौक पर भगवान भोलेनाथ का हवन पूजन कराया, शास्त्री अजय तिवारी पंडित ने मंत्र उपचार के साथ हवन पूजन कराया हवन में जिजवान के रूप में राम भरोसे, रमेश चंद उर्फ मेससु, मोहित कुमार, गोपीचंद, आदि रहे। करीब ढाई घंटे चले हवन पूजन मैं पडित अजय तिवारी ने वाल्मीकि समाज में सुख शांति आपसी प्रेम भाव स्थापित रहे भोलेनाथ जी से कामना की। दोपहर 1 बजे से से भोलेनाथ काली माता वे धरती माता को भोग लगाकर भंडारे का शुभांरभ किया, वाल्मीकि बस्ती के साथ-साथ आसपास की बस्ती के लोगों समेत सैकड़ो लोगों युवाओं और महिलाओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। हवन पूजन वे भंडारे में अमितकुमार बांगड़ अंजय कमार, मोहित कुमार, आकाश कुमार अतुल कुमार, कललू कुमार रजजू वाल्मीकि, रमेश उर्फ मेससु, राम भरोसे, गोविंदा, बिद्धु, गोपीचंद वाल्मीकि, शिवम कुमार, नोनी कमार, शिवम कुमार, राजकुमार, अरुण कुमार आदि का सहयोग रहा।

घर में घुसकर मारपीट का आरोप, छह लोगों के खिलाफ तहरीर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- ग्राम नैनपुरा निवासी उस्मान ने पड़ोसी समेत छह लोगों पर घर में घुसकर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार, आठ अगस्त की दोपहर करीब एक बजे पड़ोसी खुर्शीद पुत्र मसीता उसके घर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि गाली देने से मना करने पर खुर्शीद ने शोर मचाकर उस्मान पर मारपीट करने का आरोप लगाया। शोर सुनकर शमशाद पुत्र मसीता, सुहेल व अर्थ पुत्र राशिद तथा शमशीद पुत्र मसीता निवासी नैनपुरा कथित रूप से लाठी-डंडे और बेल्ट आदि लेकर घर में घुस आए। आरोप है कि सभी ने उस्मान, रिजवान, सलमान, फरीद और अरमान के साथ मारपीट की। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

बहादुर पाल नर्सिंग होम में लापरवाही से प्रसूता की मौत, परिजनों का हंगामा, अस्पताल सीज

फतेहपुर (सब का सपना):- सदर कोतवाली क्षेत्र एक दिन पहले बेटे को जन्म देने वाली महिला की बहादुर पाल नर्सिंग होम में कथित लापरवाही से मौत के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने देर शाम अस्पताल को सीज कर दिया। परिजनों के अनुसार महिला ने एक दिन पहले नर्सिंग होम में बच्चे को जन्म दिया था। डिलीवरी के बाद महिला की हालत बिगड़ने पर उसे खून चढ़ाया गया। आरोप है कि खून चढ़ाने के बाद ही महिला की तबीयत अचानक और खराब हो गई और उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजन और बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए और लापरवाही का आरोप लगाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिले में अवैध और लापरवाह नर्सिंग होम्स के खिलाफ डीएम की ओर से कई बार सख्ती बरती गई है, बावजूद इसके बहादुर पाल जैसे अस्पतालों पर कार्रवाई नहीं हो पाती। इस घटना के बाद एक बार फिर सिस्टम की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं।प्रशासन का एक्शन सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। सदर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घटना की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और जांच के बाद बहादुर पाल नर्सिंग होम को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया।

मुकदमा वापस लेने का दबाव, महिला को जान से मारने की धमकी

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मोहल्ला निवासी शबाना ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। शबाना के अनुसार, उसके पति नईम और ससुराल पक्ष के लोगों ने पूर्व में दहेज विवाद को लेकर उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया था। इस संबंध में उसके कई मुकदमे न्यायालय में विचाराधीन हैं। शबाना ने बताया कि तीन अगस्त को वह अपनी नाबालिग पुत्री के साथ मुकदमे की पैरवी के लिए न्यायालय गई थी। दोपहर करीब 12:50 बजे वापस लौटते समय मुंसफी के मुख्य गेट के पास उसका पति नईम और उसकी दूसरी पत्नी शाहीन मिल गए। आरोप है कि दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मुकदमे वापस लेने का दबाव बनाया। विरोध करने पर दोनों ने हाथापाई करने का प्रयास किया। शोर सुनकर मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। शबाना का आरोप है कि जाते समय दोनों ने मुकदमा वापस नहीं लेने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई है।

नजीबाबाद में गूंजा राष्ट्रभक्ति का जयघोष, निकली भव्य तिरंगा यात्रा

नजीबाबाद (सब का सपना):- देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत भव्य तिरंगा यात्रा बुधवार को नजीबाबाद में निकाली गई। रेलवे स्टेशन से शुरू हुई यात्रा मुख्य चौराहा, चौक बाजार होते हुए टीला मंदिर तक पहुंची। यात्रा में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं समर्थकों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। तिरंगे की शान में उठते कदमों ने नगर के वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि लीना सिंघल, मंडल अध्यक्ष नकुल अग्रवाल सहित सैकड़ों भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। यात्रा के माध्यम से राष्ट्र के प्रति समर्पण और एकजुटता का संदेश दिया गया। यात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

डीएम ने मिलेट्स मोबाइल आउटलेट वाहनों को दिखाई हरी झंडी

साप्ताहिक बाजारों में लगें वाहन, श्री अन्न का करें व्यापक प्रचार

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद में मिलेट्स/श्री अन्न के उपभोग और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा 2 मिलेट्स मोबाइल आउटलेट वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। बुधवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता 'वत्स' और मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना ने कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। उ०प्र० मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के तहत फतेहपुर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लि०, ग्राम नरौली बुजुर्ग और पिनाकी एग्रो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लि०, ग्राम टिकरा को यह वाहन लाभ के रूप में मिले हैं। हरी झंडी दिखाने के बाद डीएम ने एफपीओ के प्रबंध निदेशकों को निर्देश दिए कि मिलेट्स मोबाइल आउटलेट वाहनों को जनपद के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समयबद्ध शेड्यूल के अनुसार चलाया जाए। श्री अन्न के गुणवत्ता युक्त उत्पादों जैसे आटा, अनाज, कैंडी, लड्डू, बिस्किट आदि को निर्धारित दर पर जनमानस को उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि साप्ताहिक हाट बाजार, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के मुख्य चौराहों और भीड़भाड़ वाले व्यस्त बाजारों में निर्धारित स्थानों पर नियमित रूप से वाहन खड़े किए जाएं। मिलेट्स/श्री अन्न के उपभोग और लाभ का प्रभावी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान और आम लोग श्री अन्न को अपने भोजन में शामिल करें। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक राम जतन मिश्र, जिला कृषि अधिकारी नरोत्तम कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निजी अस्पताल में बच्ची की मौत, निष्पक्ष जांच की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- निजी अस्पताल में उपचार के दौरान सात वर्षीय बच्ची की मौत के मामले में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश ने उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच की मांग की है। एसोसिएशन ने संबंधित चिकित्सक व स्टाफ की भूमिका की जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई है। एसोसिएशन के पत्र के अनुसार, पांच अगस्त को हल्दौर निवासी पत्रकार संजीव मिश्रा अपनी सात वर्षीय पुत्री को बुखार आने पर बिजनौर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोप है कि उपचार के दौरान बच्ची की हालत बिगड़ने के बावजूद उसे उचित चिकित्सकीय उपचार नहीं मिल सका, जिसके बाद उसकी मौत हो गई।

एसोसिएशन ने मामले की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने, अस्पतालों में प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित करने तथा मरीजों को लिखी जाने वाली दवाओं की उपलब्धता और चिकित्सकों की परामर्श फीस में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है।

गोपाल हॉस्पिटल में सात वर्षीय बच्ची की मौत का मामला गरमाया, पत्रकार एसोसिएशन ने सौंपे ज्ञापन

लापरवाही के आरोपों की उच्चस्तरीय जांच, चिकित्सक व स्टाफ पर कार्रवाई समेत उठाई कई मांगें

बिजनौर (सब का सपना):- शहर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान सात वर्षीय बच्ची की मौत के मामले को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की जनपद बिजनौर इकाई ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। एसोसिएशन ने बच्ची की मौत के लिए कथित चिकित्सकीय लापरवाही के आरोपों की गंभीरता से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। ज्ञापन के अनुसार, हल्दौर निवासी पत्रकार संजीव मिश्रा अपनी सात वर्षीय पुत्री प्रिशा को बुखार आने पर 5 अगस्त 2026 को बिजनौर शहर स्थित गोपाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। परिजनों के मुताबिक रात में बच्ची की हालत ठीक थी, लेकिन सुबह उसकी तबीयत बिगड़ने पर चिकित्सक से संपर्क करने का प्रयास किया गया। आरोप है कि चिकित्सक से मिलने में परेशानी हुई और बाद में बच्ची की हालत लगातार बिगड़ती गई। उपचार के अभाव में बच्ची की मौत हो गई। मामले को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा अन्य संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि जांच में चिकित्सकीय लापरवाही सामने आती है तो संबंधित चिकित्सक एवं स्टाफ के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।एसोसिएशन ने अपनी प्रमुख मांगो में चिकित्सक एवं संबंधित स्टाफ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए। सीएमओ बिजनौर द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक कराई जाए। जनपद के निजी अस्पतालों में प्रशिक्षित एवं योग्य कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित कराई जाए।

चिकित्सकों द्वारा मरीजों के लिए लिखी गई दवाइयों की उपलब्धता मेडिकल स्टोरों पर सुनिश्चित कराई जाए। मरीजों से लिए जाने वाले चिकित्सकीय परामर्श शुल्क में न्यूनतम एवं समान व्यवस्था लागू कराने पर विचार किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से मांग की कि मामले की जांच समयबद्ध तरीके से कराकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाए। इस दौरान ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन से जुड़े पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे।

बावन इमली शहीद स्मारक में शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को किया सम्मानित

बिंदकी में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, गूंजे "भारत माता की जय" के नारे

फतेहपुर (सब का सपना):- स्वतंत्रता दिवस से पहले नगर व क्षेत्र में देशभक्ति के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बुधवार को बिंदकी कस्बे में विभिन्न स्थानों से तिरंगा यात्रा निकाली गई। वहीं बावन इमली शहीद स्मारक में आयोजित कार्यक्रम में अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया गया। बुधवार सुबह करीब 10 बजे से बिंदकी कस्बे के कई स्थानों से तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। लोग हाथों में तिरंगा लेकर "भारत माता की जय" के नारे लगाते हुए चले। यात्रा में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं के साथ ही कई स्कूलों के छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए। उधर बिंदकी-खजुहा रोड स्थित बावन इमली शहीद स्मारक में आयोजित कार्यक्रम में शहीद जोधा सिंह अटैया सहित 52 अमर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम में स्वतंत्रता आंदोलन पर चर्चा की गई। इस अवसर पर शहीद जोधा सिंह अटैया के परिजन चंद्रपाल सिंह, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शिवदत्त तिवारी के परिजन ऋषिदत्त तिवारी, जयराम सिंह के परिजन जयदेव सिंह, पन्नालाल गुप्ता व धन्नालाल गुप्ता के परिजन अनुभव गुप्ता, ताराचंद व लक्खी गुप्ता के परिजन रामकृष्ण गुप्ता, रामनारायण अग्रवाल के परिजन राकेश अग्रवाल, मिथिला शरण के परिजन श्रीकृष्ण गुप्ता, विद्यासागर द्विवेदी के परिजन सोमदत्त द्विवेदी, वंशी मिश्रा के परिजन आरके मिश्रा, श्यामलाल के परिजन हरीश गुप्ता तथा छत्रपाल सिंह के परिजन उत्कर्ष प्रताप सिंह को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में शिक्षक विजय नारायण ने अपनी स्वलिखित पुस्तक "द विटनेस ऑफ फ्रीडम फाइटर" सभी को भेंट की। इस मौके पर जहानाबाद विधायक राजेंद्र सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष राधा साहू, भाजपा नेता रमाकांत त्रिपाठी, खजुहा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुरेंद्र उत्तम, एसडीएम निशांत तिवारी, तहसीलदार अखिलेश सिंह, नायब तहसीलदार रचना यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि देश को आजाद कराने में अमर शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का बड़ा योगदान है। उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।

भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा में गूंजे देशभक्ति के तराने

जहांगीराबाद/बुलंदशहर(सब का सपना):- भाजपा द्वारा बुधवार को नगर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। अनूपशहर बस अड्डे से शुरू हुई यात्रा को पालिकाध्यक्ष किशनपाल सिंह, मंडल प्रभारी रीता लोधी व मंडल अध्यक्ष कैलाश सैनी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। हाथों में तिरंगा लेकर सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता, छात्र-छात्राएं और नगरवासी देशभक्ति के नारों के साथ मुख्य मार्गों से होते हुए बालाजी मंदिर पहुंचे, जहां यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में बीपीएएस इंटर कॉलेज व शिवकुमार जनता इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जगह-जगह नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। बालाजी मंदिर पर समाजसेवी पंकज ठाकुर ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने तिरंगे को देश की आन, बान और शान का प्रतीक बताते हुए एकता व राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व नगरवासी मौजूद रहे।

सैदपुर में स्व0 राजेंद्र सिंह सिरोही की 10 वीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि के साथ तिरंगा यात्रा

बीबीनगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- अंतर्गत सैदपुर में ब्लॉक प्रमुख पति नरेंद्र सिरोही के पिताजी स्व०राजेंद्र सिंह सिरोही रिटायर्ड दारोगाजी की 10वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी गई जिसमें नरेंद्र सिरोही और रजनी सिरोही व काफी नागरिकों द्वारा पुष्प अर्पित कर उनको याद किया गया। तदोपरांत सैदपुर में हर घर तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसका नेतृत्व नरेंद्र सिरोही और प्रमुख रजनी सिरोही द्वारा किया गया इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख रजनी सिरोही और नरेंद्र सिरोही द्वारा फल एवं ठंडा वितरण किया गया इस अवसर पर हर्ष सिरोही सहित सैकड़ों ग्रामीण पुरुष एवं महिलाएं साथ रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत बीबीनगर मुख्य बाजार में निकाली शोभायात्रा

बीबीनगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- स्याना विधायक और ब्लॉक प्रमुख बीबीनगर रजनी सिरोही के नेतृत्व और सचिन अहलावत बीजेपी मंडल अध्यक्ष की देखरेख में बड़ी धूमधाम से तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा की शुरूआत बीबीनगर मेन स्टैंड पंडित दीनदयाल पार्क से शुरू होकर बीबीनगर मुख्य बाजार से होते हुए समाप्त हुई। तिरंगा यात्रा में दर्जनों एनसीसी कैडेट हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारों के साथ नगर के सैकड़ों गणमान्य लोग साथ चल रहे थे। इस अवसर पर विधायक देवेंद्र सिंह लोधी, रजनी सिरोही पति नरेंद्र सिरोही ब्लॉक प्रमुख बीबी नगर, अनिता लोधी पूर्व विधायक, सचिन अहलावत मंडल अध्यक्ष, महेश चंद शर्मा बागवाला, चमन जैमिनी, मुकेश बंसल कोषाध्यक्ष बीजेपी, नागेंद्र सिंह मंडल प्रभारी बीबीनगर, दीपक चौधरी मंडल महामंत्री, चौधरी प्रतीक मंडल मंत्री, रूप किशोर लोधी मंडल उपाध्याय, ताराचंद प्रधान कुचेसर, महेश चंद प्रधान, जिला पंचायत सदस्य सुरजीत सिंह, गुलशन चौधरी इत्यादि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महिला सुरक्षा को लेकर बुलन्दशहर पहुंचेंगी राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर

बुलन्दशहर (सब का सपना):- राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर बुलन्दशहर के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वे महिलाओं की शिकायतें सुनने के साथ ही सुरक्षा, शिकायत निवारण और सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करेंगी। अध्यक्ष सुबह 10:30 से 11:30 बजे तक डीएवी कॉलेज में विद्यार्थियों से संवाद करेंगी। दोपहर 12 से 1:30 बजे तक जिला पंचायत सभागार में महिला जनसुनवाई होगी, जिसमें वॉक-इन शिकायतें भी स्वीकार की जाएंगी। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक तथा जिला पंचायत सभागार में महिला लाभार्थियों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद किया जाएगा।

बुलन्दशहर पुलिस ने ऑपरेशन कन्विक्शन में यूपी में पाया प्रथम स्थान

बुलन्दशहर (सब का सपना):- ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत प्रभावी पैरवी करते हुए बुलंदशहर पुलिस ने जुलाई 2026 में उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। पुलिस द्वारा न्यायालयों में विचाराधीन मामलों में प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप 126 अभियोगों में 178 अभियुक्तों को सजा कराई गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक अपराध नरेश कुमार के पर्यवेक्षण में मॉनीटरिंग सेल, अभियोजन शाखा, कोर्ट पैरोकारों तथा अभियोजन अधिकारियों की प्रभावी पैरवी के चलते यह उपलब्धि हासिल हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य लंबित अभियोगों का शीघ्र निस्तारण कराकर दोषियों को सजा दिलाना है।

ढाई साल की कृति ने दादा संग की कांवड़ यात्रा

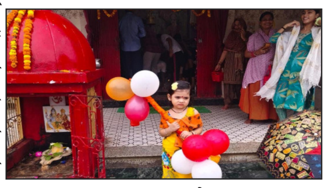

नरौरा/ बुलंदशहर (सब का सपना):- श्रावण मास में नरौरा में भक्ति का अनूठा दृश्य देखने को मिला। ढाई वर्षीय कृति उपाध्याय ने अपने दादा संजय उपाध्याय के साथ कांवड़ यात्रा कर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। कृति ने दादा के साथ बांसी गंगा घाट से गंगाजल भरा और छोटी कांवड़ लेकर पैदल मुख्य बाजार स्थित श्री शिवा शिव मंदिर पहुंची। यहां कृति ने शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाकर पुष्प अर्पित किए। नन्ही कृति के हाथों जलाभिषेक होते ही मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने तालियां बजाकर उसकी भक्ति की सराहना की। दादा संजय उपाध्याय ने बताया कि कृति बचपन से ही भगवान शिव की भक्त है और इस बार उसने स्वयं कांवड़ लाने की इच्छा जताई थी। नन्ही बालिका की श्रद्धा श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी रही।

जमीयत उलेमा ने चलाया वृक्षारोपण अभियान, 500 पौधे लगाने का लक्ष्य

स्वच्छ हवा और सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण जरूरी

सैदनगली/हसनपुर (सब का सपना):- पर्यावरण को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने तथा वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जमीयत उलेमा तहसील हसनपुर और जमीयत यूथ क्लब अमरोहा के तत्वावधान में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। यह अभियान जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सदर मौलाना महमूद असअद मदनी के निर्देश पर चलाया गया। अभियान के तहत तहसील हसनपुर के गांव ढकका मोड़ स्थित मदरसा मिस्बाहुज जफर और उसकी शाखा के साथ ही ढकका और ढकका मोड़ के आसपास विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए गए। अभियान में 500 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। वृक्षारोपण में मौलाना इफ्तिखार, मुफ्ती जुल्फिकार, राहत अली, मौलाना बश्शार, प्रधान पद के उम्मीदवार जाहिद अली और जमीयत यूथ क्लब अमरोहा के मुजीबुर रहमान ने भाग लिया। इस दौरान मदरसा मिस्बाहुज जफर के बच्चों ने भी उत्साह से पौधारोपण किया। बच्चों और उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल करने और अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। स्वच्छ हवा, बेहतर वातावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करनी चाहिए।

जमीयत यूथ क्लब के कार्यकताओं, मदरसे के बच्चों और स्थानीय लोगों ने अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग किया।

शान-ओ-शौकत के साथ निकली भव्य तिरंगा यात्रा

विधायक संजय शर्मा व ब्लॉक प्रमुख ईश्वर पहलवान ने किया नेतृत्व

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- हर घर तिरंगा अभियान के तहत औरंगाबाद में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। अनूपशहर विधायक संजय शर्मा और लखावटी ब्लॉक प्रमुख ईश्वर पहलवान एडवोकेट ने यात्रा का नेतृत्व किया। यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकताओं के साथ गणमान्य नागरिकों, नगर पंचायत कर्मचारियों तथा विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए लोग यात्रा में शामिल हुए। विधायक संजय शर्मा ने तिरंगे को देश की आन-बान-शान बताते हुए स्वतंत्रता दिवस पर घरों व प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आह्वान किया। यात्रा के दौरान अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके बाद शहीद स्मारक पर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। रुचिका गार्डन से शुरू हुई यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए मूढ़ी बकापुर मोड़ पर पहुंचकर संपन्न हुई।

बावा गिरोह के गुर्गे शाहिद खान पर चंडीगढ़ पुलिस का शिकंजा, हथियार अधिनियम के तहत मामला दर्ज

चंडीगढ़। स्वतंत्रता दिवस और आगामी त्योहारों को देखते हुए पुलिस ने अवैध हथियार रखने वाले बदमाशों और गिरोहों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस संचालन प्रकोष्ठ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शाहिद खान उर्फ मुल्ला को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक देसी पिस्तौल बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित शाहिद खान उर्फ मुल्ला विकास नगर, मौलीजागरां, चंडीगढ़ का रहने वाला है। उसके खिलाफ चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा में हत्या, लूट, डकैती और अवैध हथियार रखने समेत आठ से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक राजीव रंजन और पुलिस अधीक्षक संचालन गीतांजलि खंडेलवाल के निर्देश पर, पुलिस उपाधीक्षक संचालन रणजोध सिंह के मार्गदर्शन तथा निरीक्षक जसपाल सिंह की निगरानी में की गई।

गुप्त सूचना पर पकड़ा

पुलिस के मुताबिक 7 अगस्त को पुलिस संचालन प्रकोष्ठ को शाहिद खान के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। निरीक्षक जसपाल सिंह की अगुवाई में टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक देसी पिस्तौल बरामद हुई। इस संबंध में थाना सेक्टर-26 में 7 अगस्त 2026, शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1-बी)(ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बावा गिरोह से जुड़ा होने का खुलासा

पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि शाहिद खान आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पंजाब व हरियाणा में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पूछताछ में उसने खुद को अभियास उर्फ बावा के नेतृत्व वाले बावा गिरोह का सक्रिय सदस्य बताया। अभियास को भी पुलिस संचालन प्रकोष्ठ पहले ही एक अन्य हथियार मामले में गिरफ्तार कर चुका है। पुलिस अब आरोपित से पूछताछ कर उसके अन्य साथियों, गिरोह से जुड़े लोगों और आपराधिक गतिविधियों में उसकी भूमिका का पता लगा रही है।

हत्या और लूट समेत कई मामले

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शाहिद खान के खिलाफ पंचकूला के सेक्टर-7 और सेक्टर-20, चंडीमंदिर, लालड़ू तथा जीरकपुर में हत्या, लूट, डकैती की साजिश और शस्त्र अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं। वर्ष 2023 से 2024 के बीच उसके खिलाफ कुल आठ मामले सामने आए हैं। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अवैध हथियारों और संगठित अपराध के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति के तहत कार्रवाई जारी रहेगी। गिरोहों से जुड़े बदमाशों, वांछित अपराधियों और असामाजिक तत्वों पर पुलिस की निगरानी और कार्रवाई को और तेज किया जा रहा है।

मोहाली के जीरकपुर में औसत रीडिंग पर बिल आया तो घबराएं नहीं, घर बैठे होगा समाधान; व्हाट्सएप नंबर जारी

जीरकपुर (मोहाली)। बिजली निगम की ओर से कुछ उपभोक्ताओं को वास्तविक मीटर रीडिंग के बजाय एन-कोड अथवा औसत खपत के आधार पर बिजली बिल जारी किए गए हैं। स्पष्ट किया है कि ऐसे उपभोक्ताओं को परेशान होने की जरूरत नहीं है। घर बैठे समाधान होगा। इसके लिए व्हाट्सएप नंबर जारी कर दिए गए हैं, जिनपर वास्तविक रीडिंग भेजनी होगी। वहीं, निर्धारित बिलिंग चक्र के अनुसार अब कर्मचारी वास्तविक रीडिंग दर्ज कर रहे हैं। इसके बाद वास्तविक खपत के आधार पर नया बिल जारी किया जाएगा और पहले जारी औसत बिल में नियमानुसार समायोजन कर दिया जाएगा। विभाग के अनुसार, यदि कोई उपभोक्ता अपने औसत बिल में तत्काल सुधार करवाना चाहता है तो उसे कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। उपभोक्ता अपने बिजली मीटर की केडब्ल्यूएच, केवीएएच और एमडीआई रीडिंग साफ दिखाई देने वाली फोटो या वीडियो संबंधित मीटर रीडिंग सुपरवाइजर को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज सकते हैं। मीटर रीडिंग प्राप्त होने के बाद संशोधित बिल उपभोक्ताओं को व्हाट्सएप या ईमेल के माध्यम से उपलब्ध करवाया जाएगा। कार्यालय में कर्मचारियों की कमी को देखते हुए यह व्यवस्था उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए की गई है। वहीं, बकाया बिल जमा नहीं किया तो कनेक्शन कट सकता है। इन क्षेत्रों के लिए जारी किए व्हाट्सएप नंबर ढकोली, बलटाना, गाजीपुर, सनोली, पीरमुछल्ला और आसपास के क्षेत्रों के लिए 9781171891 लोहगढ़, रामगढ़ बुड्ढा, भाभाट, दयालपुरा, चाट और आसपास के क्षेत्रों के लिए 9466333233

रहरा पुलिस ने नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को किया गिरफ्तार

पॉक्सो एक्ट में दर्ज था मुकदमा, भेजा गया जेल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रहरा पुलिस ने नाबालिग से छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में की गई कार्रवाई में आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस के अनुसार थाना रहरा पर पीड़ित पक्ष ने तहरीर दी थी। तहरीर में गांव भावली निवासी मोहित पुत्र रामवीर उम्र करीब 21 वर्ष पर आरोप था कि उसने वादी की लगभग 15 वर्षीय पुत्री के साथ छेड़छाड़ और बदतमीजी की। शोर मचाने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। तहरीर के आधार पर थाना रहरा में मु0अ0सं0 182/2026 धारा 74/351(2)/352 बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में रहरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहित को गिरफ्तार कर न्यायालय अमरोहा भेज दिया। जहाँ से उसे जैल भेज दिया गया है।

शिरोमणि अकाली दल की यूथ कोर कमेटी में 11 नए चेहरे हुए शामिल, सुखबीर बादल ने 20 जिला अध्यक्षों का भी किया एलान

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने संगठन में युवा चेहरों को जिम्मेदारी देते हुए यूथ अकाली दल की कोर कमेटी का विस्तार किया है। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने यूथ विंग के अध्यक्ष सरबजीत सिंह झिंजर से विचार-विमर्श के बाद कोर कमेटी में 11 नए सदस्यों को शामिल करने के साथ ही 20 जिलों के जिला अध्यक्षों की घोषणा की है। पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं सचिव डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित पार्टी मुख्यालय से इसकी जानकारी दी। कोर कमेटी में शामिल किए गए नए सदस्यों में लवप्रीत सिंह लप्पी ईनाखेड़ा, हरमन सिंह खोटे, विपनदीप सिंह सनी, दविंदरपाल सिंह सिद्धू, अमनदीप सिंह घग्गा, हरविंदर सिंह जोगीपुर, प्रिंस तुंग नाभा, आकाशदीप सिंह भट्ठल, मलकीत सिंह चीमा, सुखबीर सिंह सोखी और सहज सिंह मक्कड़ शामिल हैं। पार्टी ने यूथ अकाली दल के जिला अध्यक्षों की नई सूची में विभिन्न क्षेत्रों के युवा नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। इनमें कमलदीप सिंह को बठिंडा देहाती, रणदीप सिंह

ढिल्लवां को बरनाला देहाती, रविंदर सिंह बब्बल को फरीदकोट, एडवोकेट चित्तवीर सिंह जीरा को फिरोजपुर देहाती और अमृतवीर सिंह को जालंधर शहरी-1 का अध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह गगनदीप सिंह गग्गी को जालंधर शहरी-2, अवतार सिंह निज्जर को जालंधर देहाती-1, कुलदीप सिंह टांडी को कपूरथला देहाती, तनवीर सिंह रंधावा को कपूरथला शहरी और बलकरण सिंह बाजवा को लुधियाना देहाती की जिम्मेदारी दी गई है। हरमनदीप सिंह रिक्की अजनौद को पुलिस जिला खन्ना, नवजिंदर सिंह मान को श्री मुक्तसर साहिब, देव आशीष मलिक को मोगा शहरी, हरजोत सिंह डेमरू को मोगा देहाती, तनवीर सिंह पूनिया को मोहाली देहाती-1 और जसपाल सिंह लक्की मावी को मोहाली देहाती-2 का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एडवोकेट सुखबीर सिंह गिल को मोहाली शहरी (कारपोरेशन), कर्णवीर सिंह साहनी को पटियाला शहरी, अमृतपाल सिंह लंग को पटियाला देहाती और चरणजीत सिंह भड़ौली को शहीद भगत सिंह नगर की कमान सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व के इस फैसले को यूथ विंग के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नई नियुक्तियों के जरिए अलग-अलग जिलों में युवा संगठन को सक्रिय करने और जमीनी स्तर पर गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर रहेगा।

पंजाब को वीबी-जी राम जी योजना के तहत मिले 13320000000, पहली किस्त में केंद्र ने जारी किए 440 करोड़ रुपये

चंडीगढ़। पंजाब में नई विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी) योजना लागू होने के बाद केंद्र सरकार ने 2026-27 के लिए राज्य को 1,331.61 करोड़ रुपये का केंद्रीय हिस्सा आवंटित किया है। इसमें से 439.8 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी भी कर दी गई है। यह जानकारी लोकसभा में केंद्र सरकार की ओर से दी गई। योजना एक जुलाई 2026 से पंजाब में लागू की गई है और यह वित्तीय वर्ष 31 मार्च 2027 तक चलेगा। नई योजना के तहत केंद्र और राज्य के बीच खर्च का अनुपात 60:40 रखा गया है। ऐसे में केंद्र के 1,331.61 करोड़ रुपये के मुकाबले पंजाब सरकार को करीब 887.7 करोड़ रुपये अपने हिस्से से लगाने होंगे। दोनों हिस्सों को मिलाकर राज्य में योजना के तहत करीब 2,219 करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध होने की संभावना है।

आगे की किस्तें कई मानकों पर निर्भर

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि पहली किस्त के बाद आगे की राशि स्वतः जारी नहीं होगी। इसके लिए राज्य के स्वीकृत श्रम बजट, रोजगार की मांग, उपलब्ध राशि, पहले जारी फंड के उपयोग, लंबित देनदारियों, योजना के प्रदर्शन और जरूरी दस्तावेजों को आधार बनाया जाएगा। केंद्र ने राज्यों से पिछली वित्तीय वर्षों की लंबित देनदारियों के भुगतान के लिए भी प्रस्ताव भेजने को कहा है।

मनरेगा की 178.8 करोड़ की देनदारी निपटी

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बताया कि पंजाब की पूर्ववर्ती मनरेगा

योजना के तहत 2025-26 तक की 178.8 करोड़ रुपये की लंबित देनदारियां मंजूर कर दी गई हैं। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2026-27 में पांच अगस्त तक पंजाब को मनरेगा के तहत 246 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसमें 167.9 करोड़ रुपये मजदूरी और 67.3 करोड़ रुपये सामग्री के लिए शामिल हैं। केंद्र के अनुसार, 2025-26 में पंजाब में रोजगार की मांग करने वाले 99.7 प्रतिशत श्रमिकों को काम उपलब्ध कराया गया। राज्यों को पर्याप्त संख्या में काम पहले से तैयार रखने, कार्यों की योजना समय पर बनाने और श्रमिकों को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक करने की सलाह दी गई है।

दिसंबर में किया था विरोध, जुलाई में लागू की योजना

वीबी-जी राम जी को लेकर पंजाब सरकार ने पहले इसका कड़ा विरोध किया था। दिसंबर 2025 में पंजाब विधानसभा ने योजना के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर इसे दलित विरोधी बताते हुए केंद्र से इसे वापस लेने और मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में बहाल करने की मांग की थी। राज्य सरकार ने 60:40 के वित्तीय अनुपात पर भी आपत्ति जताते हुए

इसे राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ बताया था। हालांकि, जुलाई 2026 में पंजाब सरकार ने अपना रुख बदलते हुए एक जुलाई से वीबी-जी राम जी को राज्य में लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी। विपक्षी दल सरकार के इस फैसले को विधानसभा में लिए गए पुराने रुख से यू-टर्न बता रहे हैं। फतेहगढ़ साहिब के सांसद डा. अमर सिंह ने लोकसभा में लंबित मजदूरी और सामग्री देनदारियों तथा श्रमिकों को योजना के तहत रोजगार उपलब्ध कराने से जुड़े सवाल उठाए थे।

सूर्य नमस्कार रखे आपको हरदम फिट

यहां बताए जा रहे एक्सरसाइज के 12 स्टेप्स सुबह करें और दिन भर भरपूर एनर्जी के साथ काम करें। ये 12 स्टेप्स सूर्य की 12 स्थितियों पर आधारित हैं। इसमें सबसे पहले उगते हुए सूर्य को नमस्कार करें। यह वॉर्मिंग अप एक्सरसाइज है। इसे करने के बाद आप दूसरे स्टेप्स एक के बाद एक करें। इन्हें करने से मसल्स में खिंचाव और रीढ में लचीलापन आता है। ये कमर को शेप देने और पतला करने में भी मदद करते हैं।

- अपने पैरों और पंजों को मिलाकर सीधी खडी हो जाएं। हथेलियों को ऐसे मिलाएं, जैसे कि आप हाथ जोडकर प्रार्थना कर रही हों। संतुलन बनाए रखें और चैन से सांस छोडें।
- अब सांस खींचते हुए हथेलियां जोडे हुए हाथों को ऊपर ले जाएं। कमर और नितंबों में खिंचाव महसूस करते और हाथों को जोडे हुए जितना संभव हो, पीछे की तरफ खींचें। पैरों को सीधा रखें और गर्दन को बिलकुल सीधा रखें।
- सांस छोडते हुए सामने की तरफ झुकें, अपनी हथेलियों को पंजों के समान जमीन पर टिकाएं। अपना चेहरा घुटनों के सामने रखें और घुटने सीधे रखें। अपनी हथेलियों से जमीन पर दबाव डालने की कोशिश करें, फिर आराम की मुद्रा में वापस आएं।
- सांस खींचते हुए जमीन पर बैठें और एक पैर को मोडते हुए अपने हाथ की कोहनी के पास लाएं। सामने की तरफ सीधे देखें और एक पैर पीछे की तरफ खींचें, पीठ को पीछे की तरफ खींचें। उस पैर के पंजे को जमीन से छुआएं, फिर आराम की मुद्रा में आएं।
- सांस को रोकते हुए पैरों को पीछे की तरफ खींचें और दोनों पैरों को एक साथ जोडकर मिलाएं। हाथों को सीधा रखते हुए हथेलियों के दबाव से शरीर को ऊपर उठाएं। साथ ही पैरों के पंजों से भी शरीर को उठाने में सपोर्ट दें। शरीर को एक लाइन में सीधा रखें, नीचे की तरफ सिर झुकाएं और अपने हाथों के बीच में देखें।
- सांस छोडें, अपनी कोहनियों को मोडते हुए माथे को जमीन पर छुआएं। हथेलियों और पंजों पर शरीर का भार डालते हुए शरीर को संभालें। पहले घुटने फिर सीने को जमीन से छुआएं, फिर माथे को भी जमीन से छुआएं। पंजों को जमीन पर टिकाते हुए नितंबों को हलका-सा उठाने की कोशिश करें।
- सांस खींचते हुए हथेलियों के प्रेशर से कमर तक शरीर को ऊपर उठाएं। पंजे, घुटने और पेट जमीन से सटाएं। पीठ पर खिंचाव महसूस करें और पंजों की सहायता से शरीर को पीछे की तरफ खींचें।
- सांस छोडते हुए नितंबों को उठाएं। हथेलियां सामने की तरफ जमीन पर सटी हुई हों और पैर के पंजों की सहायता से नितंब को उठाते हुए खींचें। घुटने सीधे रखें, गर्दन भीतर की तरफ झुकाएं और चेहरे को अपने घुटनों के सामने रखें। यह स्थिति एकदम वी शेप में होनी चाहिए।
- सांस खींचते हुए जमीन पर बैठें। हाथों को सीधा रखते हुए हथेलियों को जमीन पर रखें। एक पैर को पीछे की तरफ खींचें और एक पैर मोडकर अपने सामने कोहनियों से सटाकर दोनों हथेलियों के बीच में रखें। सामने की तरफ देखें। पीछे पैर का घुटना जमीन से लगा हुआ होना चाहिए।
- सीधी खडी हो जाएं। सांस छोडते हुए अपनी दोनों हथेलियों को जमीन पर टिकाते हुए झुकें। अब अपना एक पैर हथेलियों के बीच में रखें और एक पैर आगे वाले पैर से कुछ दूर पीछे रखें।
- सांस खींचते हुए दोनों पंजों, पैर को मिलाएं और सामने की ओर हलका झुकते हुए हाथों को सामने की तरफ खींचते हुए खोलें। ऐसे, जैसे कि आप हाथों से किसी सामान को पुश कर रही हों। नीचे की तरफ देखें। सिर कोहनियों से सटाकर रखें।
- सीधी खडी हो जाएं और सांस छोडें। हाथों को ढीला छोड दें। चैन की सांस लें।

नोट : किसी भी प्रकार की एक्सरसाइज या आसन शुरू करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह अवश्य ले लें। एक साथ एक ही दिन में ढेर सारा अभ्यास या वर्जिश न करें। अगर आपको कुछ असुविधाजनक लगता है तो आसन करना बंद कर दें और अपने डॉक्टर से राय-मशविरा कर लें।

खूबियां ऐलोवेरा की

लिली प्रजाति का एक पौधा है ऐलोवेरा जो अपने विशिष्ट गुणों के कारण आज घर-घर में लोकप्रिय हो गया है।

सौंदर्य प्रसाधन सामग्री से लेकर कई महत्वपूर्ण दवाओं तक में इसका इस्तेमाल दिन-प्रतिदिन बढ रहा है। यह हरे रंग का छोटा-सा पौधा है जो आकार-प्रकार में कैक्टस की तरह होता है। इसके रस में एंटी बैक्टीरियल और एंटी वायरल दोनों ही गुण होते हैं।

- घाव पर ऐलोवेरा लगाने से तुरंत आराम आता है।
- त्वचा की किसी भी तरह की एलर्जी में इसका प्रयोग लाभकारी है।
- इसके इस्तेमाल से त्वचा पर पडे दाग-धब्बे आसानी से दूर हो जाते हैं।
- डायबिटीज, कैंसर और अर्थराइटिस में भी यह आराम पहुंचाता है।
- एंटी बैक्टीरियल गुणों के कारण यह शरीर में रोग प्रतिरक्षात्मक क्षमता को बढाता है।

हेल्थ प्लस

हृदय रोग में खाएं फाइबरयुक्त भोजन

- ऐसा आहार लें जिससे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा 300 मिग्रा से अधिक न होने पाए।
- नारियल का तेल छोडकर खाना पकाने में 1 चम्मच वेजटेबल ऑयल का ही इस्तेमाल करें। ऑलिव ऑयल सबसे बढिया होता है।
- अखरोट व कुछ फैटी फिश जैसे सालमन व टूना में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो हृदय के लिए बेहतर होता है। सोयाबीन, कैनोला व फ्लैक्स सीड ऑयल खून केथक्के बनने और धमनियों की दीवारों (आर्टरीज वॉल्स) को कडा होने से रोकने में मदद करते हैं।
- फुल क्रीम दूध, कंडेंस्ड मिल्क, क्रीम और प्रोसेस्ड चीज के बजाय स्किम्ड या टोंड मिल्क से बनी चीजों का प्रयोग करें। स्किम्ड या टोंड मिल्क से बनी चाय, कॉफी या दही और पनीर का इस्तेमाल करें।
- रेड मीट, ऑर्गन मीट (लिवर, किडनी और ब्रेन), अंडे की जर्दी, प्रॉन्स और लॉब्स्टर केप्रयोग से बचना जरूरी है।
- खाना पकाने का सबसे बेहतर तरीका है बेक करना, रोस्ट, ग्रिल, भून कर और स्टीम करके खाना।
- पेस्ट्री, केक, डोनट्स, स्वीट्स और क्रीम बिस्कुट में ट्रांस फैटी एसिड, जो कोलेस्ट्रॉल बढाता है, इसलिए इनसे बचना चाहिए।
- बहुत अधिक नमकीन चीजों से दूर रहें। जैसे अचार, पापड, कैंड और टिंड प्रोडक्ट्स, नमकीन बिस्किट। खाने के साथ अलग से नमक बिलकुल न लें। इसके अलावा बेकिंग पाउडर या यीस्ट और अजीनोमोटो के प्रयोग से भी बचें।
- सीरियल्स, होल व्हीट पास्ता और ब्राउन या मल्टीग्रेन ब्रेड्स का सेवन कर सकते हैं।
- फाइबर का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। साबुत अनाज, साबुत दालें, सैलेड, फल और सब्जियों को अपने दैनिक भोजन में शामिल करें।
- तली हुई चीजें से जहां तक हो सके बचें।
- प्रतिदिन सुबह एक लहसुन चबाकर खाने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर घटता है।

एनीमिया में कैसा हो आहार

एनीमिया मुख्यत: हमारे शरीर में आयरन की कमी से होने वाली एक ऐसी बीमारी है, जिसमें हमारे शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है। दरअसल हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला ऐसा प्रोटीन है, जो पूरे शरीर में फैली कोशिकाओं को ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है और हीमोग्लोबीन की कमी से शरीर की कोशिकाओं में ऑक्सीजन की कमी होने लगती है और इसी कमी की वजह से व्यक्ति में एनीमिया यानी रक्ताल्पता के लक्षण दिखाई देने लगते हैं। भारत में आम तौर पर स्त्रियों को यह स्वास्थ्य समस्या ज्यादा होती है, अगर गर्भावस्था में किसी स्त्री को यह समस्या हो तो इसका गर्भस्थ शिशु के विकास और मां की सेहत पर इसका बुरा असर पडता है।

एनीमिया के लक्षण

- हमेशा सिरदर्द और थकान महसूस करना।
- अकसर नींद आना।
- कभी-कभी चक्कर आना और आंखों के आगे अंधेरा छाना।
- हृदय गति का असामान्य होना।
- कभी-कभी बेहोशी का दौरा पडना।
- भोजन के प्रति अरुचि।
- नाखूनों की रंगत सफेद पडना।
- आंखों के नीचे काले घेरे पडना, इत्यादि।

अगर आपके शरीर में ऐसा कोई भी लक्षण दिखाई दे तो आपको चिकित्सक से तत्काल परामर्श लेना चाहिए।

क्या खाएं

- नियमित रूप से संतुलित और पौष्टिक आहार लेने की आदत को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। इस बात का विशेष ध्यान रखें आपके रोजाना के भोजन में आयरनयुक्त खाद्य पदार्थ जैसे-हरी पत्तेदार सब्जियों, फलों और अन्य खाद्य पदार्थो जैसे-चुकंदर, आंवला, गाजर, सेब, अनार, खजूर, मूंगफली, गुड और सूखे मेवों को शामिल करना चाहिए। साथ ही, शरीर में फॉलिक एसिड की मात्रा बढाने के लिए अपने रोजाना के खाद्य पदार्थो में कुटू का आटा, ओटमील, गोभी, मशरूम, ब्रोकली, शहद और एस्पेरेगस को शामिल करें। रेड मीट भी आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। बंदगोभी, गाजर, मूली, खीरा, ककडी, लैट्यूस, टमाटर, चुकंदर, जैसी सब्जियों से बने सैलेड का अपने रोजाना के भोजन में भरपूर मात्रा में इस्तेमाल करें।
- जहां तक संभव हो सब्जियां लोहे की कडाही में पकाएं, इससे भोजन में आयरन की मात्रा बढ जाती है।
- मौसम के अनुसार एनीमिया में ताजा हरी सब्जियों का सूप या फलों का जूस पीना भी फायदेमंद होता है।
- शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढाने के लिए सिर्फ आयरनयुक्त खाद्य पदार्थो का सेवन फायदेमंद नहीं होता। आप अपने रोजाना के भोजन में कैल्शियम और विटमिन सी को जरूर शामिल करें। इसके लिए आप दूध, दही, पनीर, चीज के अलावा संतरा, नीबू, मौसमी, चकोतरा और अंगूर जैसे विटमिन सी युक्त फलों को अपने भोजन में शामिल कर सकती हैं। इन खाद्य पदार्थो के सेवन से शरीर में आयरन को ग्रहण की क्षमता बढती है।
- इसके अलावा शरीर में आयरन की मात्रा बढाने के लिए डॉक्टर की सलाह पर आपको आयरन और फॉलिक एसिड की गोलियों की खुराक भी लेनी चाहिए।

क्या न करें

एनीमिया मुख्यत: गलत खानपान की आदतों से शरीर में पोषण की कमी से होने वाली बीमारी है, इसलिए अगर आपको एनीमिया हो इन बातों का ध्यान जरूर रखे:

- लो कैलरी फूड न लें।
- उपवास करने से बचें ।
- सेब, नाशपाती, खीरा अमरूद जैसे फल खाते समय उसके छिलके न उतारें।
- डिब्बाबंद जूस या इंस्टेंट सूप का इस्तेमाल करें, क्योंकि इनमें ताजे सूप या जूस की तुलना में पोषक तत्वों की कमी होती है और इनमें इस्तेमाल किए जाने वाले प्रिजर्ववेटिव सेहत के लिए नुकसानदेह साबित होते है।

अगर आपको एनीमिया है तो आपकी इस समस्या को दूर करने के लिए, डाइटीशियन की सलाह लें। अगले पृष्ठ पर दी जा रही हैं कुछ पौष्टिक, आयरन और विटमिनयुक्त स्वादिष्ट रेसिपीज।

एल्कोहॉल बचाए गठिया से

हैरान मत होइए यह खबर मद्यप्रेमियों के लिए नहीं, बल्कि नये शोध का नतीजा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि एल्कोहॉल को पीने से शरीर के जोडों का दर्द निकल जाता है। उनका कहना है कि नियमित सेवन से गठिया होने की आशंका आधी हो जाती है। स्वीडन के कारोलिंस्का संस्थान के शोधकर्ताओं ने इस बात पर ध्यान दिया कि एल्कोहॉल को शरीर के सूजनग्रस्त भागों पर लगाने से सूजन भी कम होती है व दर्द में भी आराम आता है। दूसरी तरफ द डेली टेलीग्राफ की रिसर्च ने बताया कि जो कभी शराब नहीं पीते उन्हें गठिया की आशंका बनी रहती है। इस रिसर्च में गठिया के लिए पर्यावरण और आनुवांशिक खतरों का भी विश्लेषण किया गया। उन्होंने देखा कि जो लोग सप्ताह में पांच बार या इससे अधिक बार शराब को सेवन करते हैं उन्हें गठिया होने की आशंका 40 से 50 प्रतिशत कम हो जाती है। उत्तरीय यूरोपीय देशों के स्त्री-पुरुषों पर इसका समान प्रभाव देखा गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3977

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत: 16 → 1 2 3 4 6; 23 → 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3976 का हल

लॉफिंग जोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका- रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा- मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है- पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया- अरे, तो सीधे-सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3977

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3976

रे	ड		बॉ	बी		श	रा	र	त
टी		अ	क्स		फ	रा	ज		ला
	कु	द	र	त		बी		जो	श
आ		ना		म	र्द		जं	ग	
द	म	न		न्ना			जी	न	त
मी		सा	थी		म	द	र		ह
	वि	मी		अ	वा	म		शू	ल
ही	रा		रू	दा	ली		जै		का
	स	नी		ल		फ	की	रा	
जी	त		सौ	त	न			जा	ल

सूडोकु -3977

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3976 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

शब्द पहेली -3977

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -3976 का हल

क	फ		ज	प		त	न		शा	न
प	त	न		ल	त		भ	ला		शा
	वा	न	र		म	ल		ज	रा	
फि		द	म	न		क	द		ज	न
दा	दा		ल	क	वा		म	स्त		ख
	न	या		ल	च	क		र	थ	
रा		क	ल		क	ल	म		ल	ब
ही	र		हू	र		ह	म	ल		ल
	स	जा		जा	ल		ता	ड़	ना	
य		म	त		व	ध		ना	का	रा
म	य		ल	क्ष्य		न	ल		म	जा

मैं अपनी एक्टिंग जर्नी को लेकर बहुत खुश हूं, मुझे इस पर गर्व है

खुशाली कुमार ने कहा– जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी। उन्होंने कहा– जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई भूषण कुमार तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं। 'मुझे बहुत गर्व है कि मैं अपने पापा (गुलशन कुमार) की बेटी हूं। जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। हम तीनों भाई–बहन यही चाहते हैं कि हम अपने पापा के नाम से जाने जाएं।' यह कहना है भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री में क्रांति लाने वाले निर्माता स्वर्गीय गुलशन कुमार की बेटी खुशाली कुमार का। करीब 30 साल पहले एक दुर्भाग्यपूर्ण वारदात में जान गंवाने वाले गुलशन कुमार के तीनों बच्चे– भूषण कुमार, तुलसी कुमार और खुशाली कुमार, अपने–अपने क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं। भूषण फिल्म निर्मात हैं, तुलसी सिंगर हैं और खुशाली एक्टिंग में नाम कमा रही हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर चर्चा में हैं।

बातचीत में खुशाली ने हमसे अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने और एक्टिंग करियर में देरी से एंट्री पर बेबाक और बेहद भावुक बातचीत की। जिस तरह बड़े पेड़ के नीचे छोटे पौधे ठीक से पनप नहीं पाते, उसी तरह अक्सर देखा जाता है कि मशहूर भाई–बहन की छांव तले छोटे को अपनी जगह बनाने के लिए ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में, 'पापा गुलशन कुमार की बनाई फिल्मी विरासत और मशहूर निर्माता भाई भूषण कुमार और गायिका बहन तुलसी कुमार की प्रसिद्धि के चलते खुशाली को किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा? इस सवाल पर उन्होंने कहा, पहले तो मुझे अपने पापा की बेटी होने पर बहुत गर्व है। मैं चाहती हूं कि मेरे पापा का नाम आने वाली पीढ़ियां याद रखें, क्योंकि उन्होंने धर्म से लेकर म्यूजिक, समाज सबके लिए इतना कुछ किया है। उन्होंने म्यूजिक को आम आदमी तक पहुंचाया है तो मैं चाहती हूं कि हर कोई उन्हें याद रखे। दूसरे, मेरा मानना है कि एक ऐक्टर के तौर पर मेरा सफर बहुत खूबसूरती से आगे बढ़ रहा है। लोग मेरी जर्नी पहली फिल्म धोखा: राउंड द कॉर्नर से यहां तक देख रहे हैं लेकिन मैं अपना सफर वहां से देख रही हूं जब एक छोटी बच्ची ने ऐक्टर बनने का सपना देखा था और आज मैं फिल्में कर रही हूं तो यह मेरे लिए बहुत स्पेशल है। मैं अपनी जर्नी को लेकर बहुत खुश हूं। मुझे इस पर गर्व है।'

खुशाली ने ऐक्टिंग में कदम थोड़ी देरी से रखा। इसकी वजह पूछने पर उन्होंने बताया, 'जब आप ऐक्टर बनने के लिए घरवालों को बोलते हैं तो इतनी जल्दी सपोर्ट नहीं मिलता है। मेरे पापा बहुत सपोर्टिव थे। वह बहुत दबंग थे, मगर मेरी मम्मी बहुत सारी चीजों में थोड़ी कंजर्वेटिव थीं। फिर पापा के गुजरने के बाद उनकी यह सोच हमें प्रोटेक्ट करने के लिए ज्यादा थी कि मुंबई जैसी जगह में मैं अकेली हूं। मेरे तीन बच्चे हैं तो ऐसी कोई चीज न करें जो कैमरे के सामने हो। उनको लगा कि मेरे लिए फैशन डिजाइनिंग ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी और मैंने काफी हद तक अच्छा किया भी। मैंने डिजाइनिंग की। बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय स्टोर पर मेरे अपने नाम से कपड़े बिक रहे थे। विदेशों में 30 से 40 स्टोर थे जहां मैं रीटेल कर रही थी लेकिन मैं कभी भी खुश नहीं थी। मेरी खुशी हमेशा कैमरे के आगे थी लेकिन जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई (भूषण कुमार) तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं होता। अपनी फिल्म दुल्हनिया ले आएगी में 50 से भी ज्यादा दूल्हों को रिजेक्ट करने वाली खुशाली से हमने जब इसके बारे में पूछा तो उनका कहना था, 'आज के समय में एक सही दूल्हा मिलना आसान नहीं होता। उसे ढूंढ़ने में बहुत मुश्किल होती है। आजकल हम लड़कियों की चेकलिस्ट भी बढ़ती जा रही है, मगर मेरा मानना है कि आपकी वो चेकलिस्ट पूरी हो जाए तो चट मंगनी पट ब्याह कर लेना चाहिए।' ऐसे में, खुशाली की अपने पार्टनर के लिए क्या चेकलिस्ट है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे पहली चीज है कनेक्ट। वो बहुत जरूरी है। अगर वह कनेक्शन हो तो इंसान में कमियां भी हों तो वो आपको नहीं दिखेगी। वह कनेक्ट ऐसा होता है कि लगता है कि हम उस इंसान को बहुत सालों से जानते हैं। जैसे हम अपनी मम्मी या भाई–बहन के साथ रहते हैं, जब वैसा ही कंफर्ट अपने पार्टनर के साथ मिले तभी एक लड़की अपने परिवार को छोड़कर उसके साथ जिंदगी बिताने का फैसला कर पाती है।

यश की 'टॉक्सिक' फिल्म देखने को बेकरार ऋषभ शेट्टी

बीते दिन शनिवार को फिल्म 'टॉक्सिक' के ट्रेलर से पर्दा हटा। बंगलूरू में आयोजित एक शानदार इवेंट में ट्रेलर रिलीज किया गया, जहां फिल्म की पूरी स्टारकास्ट भी मौजूद रही। ट्रेलर को अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच 'कांतारा' फेम एक्टर ऋषभ भेट्टी ने भी 'टॉक्सिक' के ट्रेलर पर प्रतिक्रिया दी है।

ऋषभ शेट्टी ने क्या कहा

ऋषभ शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म का पोस्ट शेयर करते हुए ट्रेलर की तारीफ की है। साथ ही फिल्म को लेकर भी उत्सुकता जताई है। ऋषभ ने लिखा है, 'राया की दुनिया में यह एक बेहतरीन निमंत्रण है'। आगे कहा, 'यह पक्का है कि शानदार परफॉर्मेंस की मजबूत नींव के साथ यश का यह सफर एक्शन से भरपूर और एंटरटेनिंग होगा'। ऋषभ ने लिखा है, 'यश सर, आपको इस फिल्म में बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार है। उन्होंने टॉक्सिक की पूरी टीम, निर्देशक गीतू मोहनदास और केवीएन प्रोडक्शंस को भी शुभकामनाएं दीं।

कब रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

फिल्म 'टॉक्सिक' 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म पहले इसी साल 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली थी। तब इसका मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' से होता। हालांकि, बाद में यश की फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई। फिर इसे जून में रिलीज किए जाने की तैयारी थी। मगर, ऐसा नहीं हुआ। अब आखिर अगस्त में फिल्म बड़े पर्दे पर दस्तक देने को तैयार है।

ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्में

ऋषभ शेट्टी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे 'कांतारा–2' में नजर आएंगे। इसके अलावा प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनने वाली 'जय हनुमान' भी झोली में है। साथ ही ऋषभ ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म 'भारत का गौरव– छत्रपति शिवाजी महाराज' शामिल हैं। वे इसमें लीड रोल करने वाले हैं।

'लॉक अप 2' विनर श्रेया कालरा ने बिग 'बॉस 20' के लिए मना किया

श्रेया कालरा, जो हाल ही में रियलिटी शो 'लॉक अप' की विजेता बनी हैं। वह अभी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लेने में दिलचस्पी नहीं रख रही हैं। श्रेया ने अपने इंस्टाग्राम पर साफ किया कि वह अभी कंटेस्टेंट के तौर पर किसी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं। इससे पहले इस बात को लेकर अफवाहें चल रही थीं कि श्रेया कालरा बिग बॉस 20 में दिखेंगी।

किसी भी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनेंगी श्रेया?

श्रेया कालरा ने कहा 'दोस्तों, जो मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं बिग बॉस जाऊंगी या नहीं, उन्हें बता दूं कि मैं अभी–अभी एक पागलखाने से बाहर आई हूं। मैं अभी कंटेस्टेंट के तौर पर कोई रियलिटी शो करने का प्लान नहीं बना रही हूं। क्योंकि वह मानसिक रूप से बहुत थकाने वाला और मुश्किल था। इसलिए मेरे लिए बिग बॉस नहीं, लेकिन अगर होस्ट करने, मेंटर बनने या गैंग लीडर बनने का मौका मिले, तो मैं जरूर उत्साहित होऊंगी। अगर ऐसा कुछ हुआ तो मजा आ जाएगा। लेकिन कंटेस्टेंट? नहीं भाई, यह सब झेलना बहुत मुश्किल है।'

कुछ दिन पहले ट्रॉफी जीतने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए, कालरा ने अपनी जीत उन लोगों को समर्पित की जो कॉम्पिटिशन के दौरान उनके साथ खड़े रहे। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड ऋषभ जायसवाल और साथी कंटेस्टेंट शिल्पा शिंदे और माधुरी ग्रोवर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि जहां ट्रॉफी उनके सपोर्टर्स की है, वहीं 1 करोड़ रुपये की प्राइज मनी का इस्तेमाल प्रैक्टिकल कामों में किया जाएगा।

आलोचना पर बोलीं श्रेया

उनकी जीत पर सवाल उठाने वालों की आलोचना का जवाब देते हुए, कालरा अपनी बात पर अडिग रहीं। उन्होंने कहा 'मुझे पता है कि मैं इसकी हकदार हूं। मैंने शो में जो कुछ भी दिया, वह मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से दिया। मैं इस ट्रॉफी और प्राइज मनी की हकदार हूं। कोई क्या कहता है, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप हर किसी की कहानी में हीरो नहीं हो सकते। मुझे पता है कि मैं अपनी कहानी की हीरोइन हूं। अगर कोई मुझे विलेन कहता है, तो मैं उसे स्वीकार करूंगी।'

पब्लिसिटी के लिए नहीं की थी गौरव खन्ना से तलाक वाली बात

शो 'लॉकअप 2' में आते ही आकांक्षा चमोला ने बताया कि वह टीवी अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक ले रही हैं। आगे चलकर उन्होंने कहा कि वह लड़कियों के प्रति भी आकर्षित रहती हैं। अभिनेत्री का यह राज सामने आने पर हंगामा खड़ा हो गया। इसी बारे में हाल ही में 'लॉकअप 2' से बाहर आने के बाद आकांक्षा चमोला ने बात की। उन्होंने बताया कि परिवार उनसे काफी नाराज है। जब शो 'लॉकअप 2' से आकांक्षा चमोला बाहर हुई थीं तो उनसे अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने सवाल–जवाब किए थे। यह शो का ही कॉन्सेप्ट था, जिसमें तेजस्वी प्रतियोगी से कई सवाल पूछती हैं। तेजस्वी से बातचीत के दौरान ही आकांक्षा ने कहा, 'जब गौरव खन्ना शो में आए थे तो उन्होंने परिवार के बारे में कुछ ऐसा बताया था जो कि परेशान होने वाली बात थी। तलाक की बात तो परिवार को पता थी। लेकिन लड़कियों की तरफ आकर्षित होने वाली बात को लेकर वे ओके नहीं हैं।' शो से बाहर आने के बाद आकांक्षा ने बताया कि उन्होंने तलाक वाली बात पब्लिसिटी के लिए नहीं की थी। जल्द ही वह तलाक के पेपर्स पर साइन कर देंगी। गौरव खन्ना और आकांक्षा की शादी को लगभग 10 साल हो चुके हैं, लेकिन अब इनका रिश्ता खत्म होने वाला है।

पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत भरुचा

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक–कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई–ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुईं। सूत्र ने बताया, 'टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।' हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज़ हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में साथ काम किया था।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाई जाएगी फिल्म 'बयान'

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच खबर है कि उनकी फिल्म 'बयान' ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाई जाएगी।

हुमा ने जाहिर किया उत्साह

हुमा कुरैशी ने प्रीमियर से पहले इसे लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है। विकास रंजन मिश्रा की लिखी और डायरेक्ट की गई यह दिलचस्प हिंदी फिल्म, फेस्टिवल की ऑफिशियल लाइनअप का हिस्सा होगी। यह मेलबर्न के दर्शकों को साल की सबसे दिलचस्प कहानियों में से एक दिखाएगी। फिल्म के ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर के बारे में बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा, ''बयान' उन सबसे चुनौतीपूर्ण और भावनात्मक रूप से संतोषजनक फिल्मों में से एक है, जिसका हिस्सा बनने का मुझे मौका मिला है।' एक्ट्रेस ने अपने किरदार के बारे में कहा, 'रूही एक ऐसी महिला है जो भारी दबाव के बावजूद अपनी बात पर अडिग रहती है, और उसके सफर को निभाने ने एक एक्टर के तौर पर मुझे कई तरह से आगे बढ़ाया। जिस चीज ने मुझे इस फिल्म की ओर आकर्षित किया, वह सिर्फ इसकी दिलचस्प जांच ही नहीं थी, बल्कि सत्ता, सच्चाई और न्याय के बारे में उठाए गए सवाल भी थे।'

हुमा को इस बात को लेकर है गर्व

उन्होंने फिल्म के प्रीमियर को लेकर कहा, 'मुझे बहुत गर्व है कि 'बयान' को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाया जाएगा, एक ऐसा फेस्टिवल जिसने हमेशा सार्थक सिनेमा को सराहा है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म से जुड़ेंगे। इसकी चर्चाओं में शामिल होंगे। दर्शक लंबे समय तक सोचने के लिए थिएटर से कुछ लेकर निकलेंगे।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।